RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 40 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 31 जनवरी, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

मोदी सरकार के 10 साल का हिसाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र की मोदी सरकार के अंतिम बजट सत्र को आज देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संबोधित किया। राष्ट्रपति ने एक घंटे 13 मिनट तक अपने विस्तृत भाषण में सरकार की नीतियों और विजन का खाका खींचा। राष्ट्रपति के अभिभाषण में खासतौर पर अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण का भी जिक्र किया गया। उन्होंने कहा कि कई वर्षों से राम मंदिर के निर्माण का सपना देख रहे देशवासियों का सपना अब पूरा हो चुका है। राम मंदिर के उदघाटन के बाद से 13 लाख श्रद्धालु अयोध्या में रामलला के दर्शन कर चुके हैं। राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यों का विवरण पेश किया। इसके बाद संसदीय प्रणाली का निर्वाह करते हुए उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने अंग्रेजी में संक्षिप्त रूप से संबोधित किया।

राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में कहा कि सरकार, मानव केंद्रित विकास पर बल दे रही है। हमारे लिए हर नागरिक की गरिमा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर चल रही सरकार समाज के हर वर्ग को उचित अवसर देने में जुटी है।

राष्ट्रपति का अभिभाषण

"केन्द्र की मोदी सरकार के अंतिम बजट सत्र को आज देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने संबोधित किया। राष्ट्रपति के अभिभाषण में मोदी सरकार के 10 सालों का हिसाब-किताब राष्ट्रपति ने पेश किया। राष्ट्रपति के अभिभाषण में राम मंदिर के निर्माण का सपना पूरा होना, 3 तलाक पर सख्त कानून, दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था सहित टैक्स में छूट, मुद्रा योजना, मिशन मोड में सरकारी नौकरियां देने सहित कई बड़े कदमों का जिक्र किया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, हमारी सीमाओं से सटे गांवों को देश का अंतिम गांव माना जाता था। सरकार ने, इन्हें देश का पहला गांव बनाया। उन्होंने कहा कि आंतरिक शांति के लिए सरकार के प्रयासों के सार्थक परिणाम हमारे सामने हैं। आज मेड इन इंडिया एक ग्लोबल ब्रांड बन चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यावरण से पहलुओं का भी पूरा ध्यान रख रही है। वैश्विक मानकों पर आधारित गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बनाने की दिशा में प्रयास भी लगातार जारी हैं। इसके लिए सरकार जीरो इफेक्ट और जीरो डिफेक्ट पर बल दे रही है। उन्होंने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुए हैं। 8.5 करोड़ लोगों ने काशी दर्शन किए। देश की संसद और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने का जिक्र करते हुए राष्टपति ने कहा, नारीशक्ति का सामर्थ्य बढ़ाने के लिए मेरी सरकार हर स्तर पर काम कर रही है। किसानों के लिए हो रहे प्रयासों को गिनाते हुए उन्होंने कहा, सरकार का प्रयास है कि खेती में लागत कम हो और किसानों को लाभ अधिक हो। (शेष पृष्ठ-3 पर)

जीवन में पहली बार गरीबी हटता देख रहा देश

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण में उद्योग जगत के लोगों के लिए बनाई गई योजनाओं और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए हो रहे प्रयासों को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि किसानों को लाखों करोड़ रुपये का आर्थिक लाभ मिले, यह सुनिश्चित किया है। कृषि उत्पादों का निर्यात भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी बचपन से गरीबी हटाओ के नारे सुनते आ रहे थे। अब हम जीवन में पहली बार बड़े पैमाने पर गरीबी को दूर होते देख रहे हैं।

'आदतन हुड़दंगी' आत्मनिरीक्षण करें : पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का बजट सत्र आज से प्रारंभ हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के बजट सत्र की शुरुआत से पहले मीडिया को संबोधित किया है। पीएम ने 'आदतन हुड़दंगी' सांसदों को नसीहत भी दी। पीएम का कहना था कि लोकतंत्र का 'चीरहरण' करने वाले सांसदों को आने वाले दिनों में आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। पीएम ने कहा, नई सरकार के बाद पूर्ण बजट लेकर आएंगे। पूर्ण बजट भी हम ही लाएंगे। पीएम मोदी ने कहा, आशा करता हूं कि पिछले 10 साल में जिसको जो रास्ता सूझा, वैसा संसद में अपना-अपना काम किया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

नामी यूनिवर्सिटी के छात्र पर लाठी-डंडों से हमला

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर की एक नामी यूनिवर्सिटी में बीए एलएलबी के छात्र व उसके साथी के साथ कुछ युवकों ने लाठी डंडों से मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। हमलावरों ने छात्रों की गाड़ी के शीशे भी तोड़ दिए। पीड़ित छात्रा ने थाना सेक्टर 126 में तीन लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम पूठ खुर्द दिल्ली निवासी सौरभ डबास ने पुलिस से की शिकायत में बताएं कि वह एक यूनिवर्सिटी में बीए एलएलबी 4 ईयर का छात्र है। मंगलवार शाम को वह अपने दोस्त युग डागर के (शेष पृष्ठ-3 पर)

गांव में युवक पर टूट पड़े दबंग, डंडों से पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जारचा क्षेत्र के ऊंचा अमीरपुर गांव में कुछ युवकों ने एक युवक के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। युवक नोएडा से ड्यूटी खत्म कर वापस अपने घर लौट रहा था। पीड़ित के पिता ने चार युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। ग्राम खंगोंडा निवासी ओमकार राणा ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उनका बेटा उमेश नोएडा की एक निजी कंपनी में काम करता है। बीते 29 जनवरी को वह ड्यूटी खत्म कर नोएडा से वापस अपने घर आ रहा था। ऊंचा अमीरपुर गांव के शिव मंदिर पर पहुंचते ही उसे प्रताप सिंह, शैंकी, रिंकू यादव व सुमित चौहान ने रोक लिया। आरोपियों ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी उसने जब गाली गलौज का विरोध किया था चारों ने मिलकर लाठी डंडों से उसके साथ मारपीट की और घायल कर दिया। गांव के कुछ लोगों ने उमेश को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। घायल अवस्था में उमेश को उपचार के लिए अस्पताल (शेष पृष्ठ-3 पर)

लहूलुहान मिला युवक का शव

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर-116 में सड़क किनारे एक युवक का लहू लुहान शव पड़ा हुआ मिला। पुलिस का कहना है कि एक्सीडेंट की वजह से युवक की मौत हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि किसी व्यक्ति ने सूचना दी की सेक्टर-116 में सड़क किनारे एक युवक का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कराई तो उसकी शिनाख्त सतपाल पुत्र शिव रतन सिंह निवासी ग्राम सर्फाबाद के रूप में हुई। थाना प्रभारी के मुताबिक प्रारंभिक जांच में एक्सीडेंट से सतपाल की मौत होने का अंदेशा है इस संबंध में परिजनों ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है।

नोएडा प्राधिकरण पर किसानों का लॉकडाउन

प्राधिकरण के सभी गेटों पर ताला लगाकर बैठे किसान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय के बाहर अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे किसानों ने आज दूसरे दिन भी नोएडा प्राधिकरण के सारे गेट ताला लगाकर बंद कर दिए। किसानों द्वारा किए गए इस लॉकडाउन के चलते नोएडा प्राधिकरण का कोई भी अधिकारी व कर्मचारी कार्यालय नहीं जा सका। इस दौरान सभी गेटों पर बैठे किसानों ओर पुलिस के बीच नोंक-झोंक भी हुई। किसानों के आंदोलन के चलते दूसरे दिन भी प्राधिकरण का कामकाज बाधित रहा।

आपको बता दें कि भारतीय किसान परिषद के नेतृत्व में नोएडा के किसान करीब 50 दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। कल 1 फरवरी को प्राधिकरण कार्यालय पर किसानों ने महापंचायत बुलाई हुई है। आज किसानों ने दूसरे दिन भी प्राधिकरण के सभी गेटों पर ताला लगाकर उनके सामने बैठ गए। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं।

भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने इस मौके पर कहा कि जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान पूरी तरह से नहीं हो जाता। प्राधिकरण के सामने से किसान नहीं हटेंगे। अब प्राधिकरण किसानों को और मूर्ख नहीं बना सकता। खबर लिखे जाने तक प्राधिकरण के सभी गेटों के सामने किसान जमे हुए थे।

मेट्रो स्टेशन से छात्र का पर्स चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। एनसीआर की लाइफ लाइन बन चुकी मेट्रो रेल चोरों के लिए लाइफ लाइन बन गई है। मेट्रो स्टेशनों पर आए दिन चोर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं नोएडा के बोटैनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन पर चोरों ने एक छात्र का पर्स चोरी कर लिया। जामिया विश्वविद्यालय के छात्र मोहम्मद तनवीर हसन ने बताया कि वह मंगलवार सुबह निर्माण विहार मेट्रो स्टेशन से बोटैनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन आया था। यहां वह मेट्रो इंटरचेंज कर रहा था इस दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके बैग से पर्स चोरी कर लिया। पर्स में 4 एटीएम कार्ड, आधार कार्ड पैन कार्ड, यूनिवर्सिटी का स्टूडेंट कार्ड, मेट्रो कार्ड और 2 हजार रूपए रखे हुए थे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

ऑटो से शराब की तस्करी

नोएडा (चेतना मंच)। ऑटो में हरियाणा से शराब लेकर आ रहे एक व्यक्ति को थाना सेक्टर-126 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक पेटी अंग्रेजी शराब की बरामद हुई है।

थाना प्रभारी सुबोध कुमार ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर-94 गोल चक्कर पर संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस को देखकर एक ऑटो चालक भागने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस ने ऑटो को रुकवा कर तलाशी ली तो उसमें एक पेटी अंग्रेजी शराब की बरामद हुई। पूछताछ में ऑटो चालक ने अपना नाम धनंजय पुत्र शिव कुमार बताया। धनंजय ने स्वीकार किया कि वह हरियाणा से सस्ती दरों पर शराब लाकर उसे उत्तर प्रदेश में बेचता था। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। तस्करी में प्रयुक्त ऑटो को भी सीज कर दिया गया है।

कंपनी में सिलाई कारीगर की हुई मौत

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-2 क्षेत्र के एनएसईजेड की एक एक्सपोर्ट कंपनी में काम करने वाला सिलाई कारीगर अचानक बेहोश होकर गिर गया। गंभीर स्थिति में उसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी मौत हो गई।

मूल रूप से बिहार निवासी अजय सिंह इलाहाबाद गांव में किराए पर रह रहा था। वह एनएसईजेड की एक एक्सपोर्ट कंपनी में सिलाई कारीगर के रूप में कार्यरत था। सोमवार को काम करते समय अचानक बेहोश होकर गिर गया। साथी कारीगर उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर थाना फेस-2 पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। आशंका जताई जा रही है कि हार्ट अटैक की वजह से अजय सिंह की मौत हुई है वहीं पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

दवाई लेने गई किशोरी का अपहरण

नोएडा (चेतना मंच)। मां के साथ क्लीनिक पर दवाई लेने गई नाबालिग किशोरी को एक युवक बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। किशोरी के पिता की शिकायत पर थाना सेक्टर-39 पुलिस ने युवक के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। मूल रूप से जनपद उन्नाव निवासी छेदी सिंह (काल्पनिक नाम) अपने परिवार सहित छलेरा गांव में किराए पर रह रहा है। बीते 26 जनवरी को छेदी सिंह की पत्नी की तबीयत खराब थी। वह अपनी बेटी को साथ लेकर पास के ही क्लीनिक पर दवाई लेने के लिए गई थी। महिला क्लीनिक पर डॉक्टर से दवाई ले रही थी। इस दौरान उसकी (16 वर्षीय) बेटी वहां से लापता हो गई। पीड़ित के मुताबिक उसने जब अपनी बेटी की तलाश की तो पता चला कि पड़ोस में रहने वाला विमलेश उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की तलाश की जा रही है।

'बहू की अश्लील फोटो शहर में चिपका दूंगा'

दरोगा को रिकवरी एजेंट ने दे डाली धमकी

नोएडा (चेतना मंच)। बैंक में प्राइवेट फाइनेंस कंपनियों के रिकवरी एजेंट द्वारा आए दिन लोगों के साथ अभद्रता किए जाने के मामले प्रकाश में आते रहते हैं। शिकायत के बावजूद इनके खिलाफ कार्रवाई न होने से रिकवरी एजेंटो के हौसले बुलंद हो गए हैं। रिकवरी एजेंट की दबंगई का एक और मामला प्रकाश में आया है। हैरानी की बात यह है कि इस बार रिकवरी एजेंट का शिकार कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में तैनात एक दरोगा हुआ है। रिकवरी एजेंट ने फोन पर दरोगा के साथ अभद्रता

करते हुए उनकी पुत्रवधू के अश्लील फोटो शहर में चिपकाने की धमकी दे डाली।

सेंट्रल जोन के अपर पुलिस उपायुक्त के कार्यालय में तैनात एक उपनिरीक्षक ने थाना सूरजपुर में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 30 जनवरी को उसके (शेष पृष्ठ-3 पर)

हाईराइज सोसायटी के फ्लैट में लाखों की चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-107 की प्रतीक एडिफिक सोसायटी के एक मकान से लाखों रुपए के जेवरात चोरी हो गए। पीड़िता ने अपने ड्राइवर पर चोरी का शक जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। प्रतीक एडिफिक सोसाइटी निवासी संगीता अनिल ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि किसी कार्य के लिए उसने अपने घर की अलमारी का लॉकर खोला तो उसमें से जेवरात गायब मिले। चोर लॉकर से दो सोने के कंगन सोने के कान के झुमके व अन्य जेवरात को चोरी कर ले गए। संगीता अनिल ने अपने ड्राइवर गौरव कुमार पर चोरी का शक जताया है। उन्होंने बताया कि गौरव कुमार उसके वृद्ध माता-पिता को लाने (शेष पृष्ठ-3 पर)

घने कोहरे ने रफ्तार की धीमी, गलन बढ़ाई

नोएडा (चेतना मंच)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज एक बार फिर से बदल गया है। सोमवार व मंगलवार को कुछ जिलों में गुनगुनी धूप निकलने के बाद बुधवार को फिर से मौसम ने करवट बदल ली। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में जहां सुबह घना कोहरा छाया हुआ है। वहीं वेस्ट यूपी के अन्य जिलों के लिए वैज्ञानिकों ने चार फरवरी तक हल्की बारिश की संभावना जाहिर की है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, वेस्ट यूपी समेत पूरे उत्तर प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बढ़ने के कारण एक बार फिर से मौसम में बदलाव आया है। वेस्ट यूपी के ज्यादतर जनपदों में गलन बढ़ी है। एक के बाद एक दो पश्चिमी विक्षोभों का असर 31 जनवरी से एक फरवरी को दिखेगा। इस दौरान प्रदेश के कुछ हिस्सों में 30 से 40 किमी की रफ्तार से चलने वाली हवा के आसार हैं। वहीं रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

वेस्ट यूपी के इन जिलों में बारिश के आसार

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 3 और 4 फरवरी को फिर कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में (शेष पृष्ठ-3 पर)

मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर बदमाश लंगड़ा, दो साथी भी दबोचे

नोएडा (चेतना मंच)। बढ़ते अपराधों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से नोएडा कमिश्नरेट पुलिस पूरी तरह से एक्शन मोड़ में दिख रही है। बीते 24 घंटे के दौरान नोएडा और ग्रेटर नोएडा में पुलिस ने तीन एनकाउंटर किए हैं। इनमें 5 बदमाशों के पैर में गोली लगी है। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने मुठभेड़ के बाद आज सुबह मोबाइल लुटेरे हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गिरफ्तार किया। इसके दो अन्य साथियों को पुलिस ने कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार किया।

एडीसीपी ने बताया कि आज सुबह नोएडा के थाना 58 पुलिस खोड़ा तिराहा पर बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक बाइक पर सवार तीन

युवकों को पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन बाइक सवार युवक नहीं रुके और भाग निकले। जिसके बाद पुलिस ने पीछा करके उन्हें डी पार्क के निकट घेर लिया। खुद को घिरा देखकर बाइक सवारों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में पुलिस की गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। जबकि उसके दो साथी मौके से फरार हो गए। घायल बदमाश ने अपना नाम आकाश उर्फ शिवा बताया।

उन्होने बताया कि आकाश उर्फ शिवा थाना सेक्टर-58 का हिस्ट्रीशीटर बदमाश है और इस पर दर्जन भर मुकदमें पंजीकृत हैं। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजकर पुलिस ने फरार बदमाशों की तलाश के लिए कॉम्बिंग की। कॉम्बिंग के दौरान पुलिस ने नितेश पुत्र जयशंकर तिवारी तथा रोशन झा पुत्र सर्वेश झा को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाशों के पास से चोरी की स्पेंडर बाइक, एक तमंचा, कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

बुनियादी ढांचा

आमतौर पर सड़कों, पुलों आदि जैसी बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का निर्णय राजनीतिक स्तर पर ले लिए जाते हैं। उनके मूल्यांकन में प्राय: संभावित अड़चनों, मसलन भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण संबंधी मानक, भू-उपयोग आदि को लेकर लापरवाही बरती जाती है। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में देरी कोई नई बात नहीं है। हालांकि इस समस्या से पार पाने के लिए समय-समय पर सख्ती बरतने का प्रयास होता रहा है, मगर अब तक उल्लेखनीय नतीजे नहीं निकल पाए हैं। यही वजह है कि विलंब से चल रही परियोजनाओं की लागत बढ़ जाती है, जिसका बोझ सार्वजनिक खजाने पर पड़ता है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक डेढ़ सौ करोड़ रुपये से अधिक खर्च वाली चार सौ इकतीस बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत 4.82 लाख करोड़ रुपए से अधिक बढ़ गई है। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार बीते दिसंबर तक एक हजार आठ सौ बीस ऐसी परियोजनाएं देर से चल रही थीं, जिनमें से चार सौ बत्तीस परियोजनाओं की लागत बढ़ गई है। ये परियोजनाएं औसतन तीन वर्ष से अधिक की देरी से चल रही हैं। इसके प्रमुख कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग से मंजूरी मिलने में देरी और बुनियादी संरचना में कमी को बताया गया है। इसके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप देने में देरी, परियोजनाओं की संभावना में बदलाव, निविदा प्रक्रिया और ठेके देने में देरी, उपकरण मंगाने में विलंब, अप्रत्याशित भू-उपयोग में परिवर्तन आदि भी बड़े कारण हैं। ये सारी वजहें पहले भी बताई जाती रही हैं। इससे निपटने के लिए परियोजना में देरी होने पर ठेकेदार से प्रतिदिन के हिसाब से विलंब शुल्क वसूलने का प्रावधान किया गया। तब माना गया कि इससे परियोजनाएं समय पर पूरी हो सकेंगी और उन पर लागत बढ़ने के खर्च से बचा जा सकेगा। मगर अब भी चार सौ से ऊपर परियोजनाएं अगर तीन वर्ष की औसत देरी से चल रही हैं, तो जाहिर है कि परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले उनके व्यावहारिक पहलुओं का मूल्यांकन ठीक से नहीं किया जाता। आमतौर पर सड़कों, पुलों आदि जैसी बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का निर्णय राजनीतिक स्तर पर ले लिए जाते हैं। उनके मूल्यांकन में प्राय: संभावित अड़चनों, मसलन भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण संबंधी मानक, भू-उपयोग आदि को लेकर लापरवाही बरती जाती है। बिना जरूरी मंजूरी के परियोजनाओं के ठेके इस विश्वास के साथ दे दिए जाते हैं कि उन अड़चनों से पार पा लिया जाएगा। इसका नतीजा यह होता है कि कहीं अगर परियोजना के बीच में आने वाले किसी छोटे से हिस्से पर भी किसी ने मुकदमा कर दिया, तो वह तब तक लटक जाती है, जब तक न्यायालय का निर्णय नहीं आ जाता। मुआवजे आदि को लेकर भी विवाद पैदा हो जाते हैं। यह भी छिपी बात नहीं है कि बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं में देरी और फिर उनकी लागत बढ़ने के पीछे बड़ा कारण भ्रष्टाचार है। ठेकेदार और वित्तपोषण करने वाले विभाग के बीच अक्सर भुगतान को लेकर रस्साकशी देखी जाती है। समय पर भुगतान न मिल पाने से ठेकेदार काम बीच में छोड़ देते हैं। भुगतान समय पर न मिलने के पीछे अक्सर कमीशनखोरी बड़ा कारण होती है। इस पर अनेक निर्माण कंपनियां सार्वजनिक रूप से असंतोष प्रकट कर चुकी हैं। परियोजना में विलंब होने का अर्थ है कि उसमें इस्तेमाल होने वाली सामग्री और सेवाओं की कीमत बढ़ती जाती है। कई बार सक्षम ठेकेदारों को काम न दिए जाने की वजह से भी उनमें जिस ढंग की अभियांत्रिकी का उपयोग अपेक्षित होता है, वह नहीं हो पाता। ये सारे तथ्य किसी से छिपे नहीं हैं, मगर इनमें सुधार के व्यावहारिक उपाय नहीं किए जाते तो जाहिर है, परियोजनाओं को समय पर पूरा कराने की इच्छाशक्ति का अभाव है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे गरुड़जी! श्री हरि के विषय में मोह की कल्पना भी ऐसी ही है, भगवान् में तो स्वप्न में भी अज्ञान का प्रसंग (अवसर) नहीं है, किंतु जो माया के वश, मंदबुद्धि और भाग्यहीन हैं और जिनके हृदय पर अनेकों प्रकार के परदे पड़े हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

ते सठ हठ बस संसय करहीं। निज अग्यान राम पर धरहीं॥
वे मूर्ख हठ के वश होकर संदेह करते हैं और अपना अज्ञान श्री रामजी पर आरोपित करते हैं॥
दो0-काम क्रोध मद लोभ रत गृहासक्त दुखरूप।
ते किमि जानहिं रघुपतिहि मूढ़ परे तम कूप॥
जो काम, क्रोध, मद और लोभ में रत हैं और दुःख रूप घर में आसक्त हैं, वे श्री रघुनाथजी को कैसे जान सकते हैं वे मूर्ख तो अंधकार रूपी कुएँ में पड़े हुए हैं॥
निर्गुन रूप सुलभ अति सगुन जान नहिं कोई।
सुगम अगम नाना चरित सुनि मुनि मन भ्रम होई॥
निर्गुण रूप अत्यंत सुलभ (सहज ही समझ में आ जाने वाला) है, परंतु (गुणातीत दिव्य) सगुण रूप को कोई नहीं जानता, इसलिए उन सगुण भगवान के अनेक प्रकार के सुगम और अगम चरित्रों को सुनकर मुनियों के भी मन को भ्रम हो जाता है॥

‘काकभुशुण्डि का अपनी पूर्व जन्म कथा और कलि महिमा कहना’

सुनु खगेस रघुपति प्रभुताई। कहउँ जथामति कथा सुहाई।।
जेहि बिधि मोह भयउ प्रभु मोही। सोउ सब कथा सुनावउँ तोही॥
हे पक्षीराज गरुड़जी! श्री रघुनाथजी की प्रभुता सुनिए। मैं अपनी बुद्धि के अनुसार वह सुहावनी कथा कहता हूँ। हे प्रभो! मुझे जिस प्रकार मोह हुआ, वह सब कथा भी आपको सुनाता हूँ॥
राम कृपा भाजन तुम्ह ताता। हरि गुन प्रीति मोहि सुखदाता॥
ताते नहिं कछु तुम्हहि दुरावउँ। परम रहस्य मनोहर गावउँ॥
हे तात! आप श्री रामजी के कृपा पात्र हैं। श्री हरि के गुणों में आपकी प्रीति है, इसीलिए आप मुझे सुख देने वाले हैं। इसी से मैं आप से कुछ भी नहीं छिपाता और अत्यंत रहस्य की बातें आपको गाकर सुनाता हूँ॥ क्रमश:

निराशा को आशाजनक अवसरों में बदलने की खिड़की है ‘परीक्षा पे चर्चा’

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ‘परीक्षा पे चर्चा’ के दौरान दिया गया उद्बोधन एवं गुरु मंत्र छात्रों के लिये ऐसा आलोक स्तंभ है जो भविष्य की अजानी राहों एवं परीक्षा के जटिल क्षणों में पांव रखते समय उस आलोक को साथ में रख लिया गया तो उनके मार्ग में कहीं भी अवरोध, तनाव एवं संकट नहीं आ सकेगा। क्योंकि मोदी के ये गुरुमंत्र उनकी समर्थता, सिद्धता, अनुभव एवं साधना से उपजे हैं जो छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों और अभिभावकों के लिये भी रामबाण औषधि की तरह हैं। बोर्ड परीक्षाओं को लेकर छात्रों के अंदर डर और तनाव दोनों होता है, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बच्चों के भीतर से इस डर और तनाव को समाप्त करने के लिए हर साल ‘परीक्षा पे चर्चा’ कार्यक्रम करते हैं। इस वर्ष भारत मंडपम, आईटीपीओ, नई दिल्ली में हुए इस अनूठे एवं प्रेरक कार्यक्रम में जहां तकरीबन 4,000 छात्रों ने हिस्सा लिया, वहीं लगभग 2.26 करोड़ रजिस्ट्रेशन हुए थे, जो एक रिकॉर्ड है। यह परीक्षा पर चर्चा का 7वां संस्करण है, जिसमें छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत करते हुए परीक्षाओं को तनाव का कारण न बनने देने की सीख दी। इस विलक्षण प्रयोग एवं उपक्रम में छात्रों ने अपनी जिज्ञासाओं के पंख खोले। वे परीक्षा से जुड़े अनेक संदेहों, शंकाओं एवं डर को लेकर यहां आये, लेकिन लौटते समय उन चेहरों पर संतोष की झलक थी। उन्होंने कुछ अद्भुत या मौलिक, समाधानकारी एवं प्रभावी पाया या नहीं, लेकिन जितना पाया वह उनकी उम्मीद से अधिक था। वे ही नहीं, भारत के असंख्य छात्रों एवं परीक्षार्थियों के लिये यह आयोजन नवऊर्जा एवं नयी दिशाओं के उद्घाटन का माध्यम बना है, जहां से छात्रों के जीवन में व्यापक परिवर्तन, उत्साह एवं जिजीविषा की ज्योति प्रज्वलित हुई है।

प्रधानमंत्री इस बात को बखूबी समझते हैं कि पढ़ाई और परीक्षा का तनाव छात्रों के लिए अभिशाप है। वे शिक्षा के स्तर को तो सुधार ही रहे हैं, लेकिन ‘परीक्षा पे चर्चा’ के माध्यम से छात्रों का मनोबल भी बढ़ा रहे हैं ताकि परीक्षा तनावमुक्त हो और मोदी के गुरु मंत्रों का सीधा फायदा छात्रों को मिले। ‘परीक्षा पे चर्चा’ की विशेषता यह है कि इससे जुड़े प्रतिभागी किसी खास वर्ग, क्षेत्र, उम्र, जाति या धर्म के न होकर भारत के सभी राज्यों से लेकर विदेश तक के जूनियर और सीनियर कक्षाओं के विद्यार्थी के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थी होते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के संवाद की व्यापकता विद्यार्थियों द्वारा पूछे प्रश्नों के उत्तर में अपनी बात को केवल परीक्षा तक ही सीमित न कर उसे जीवन से जोड़ देती है। विद्यार्थी जीवन में आने वाली अनेक समस्याएं प्राय: किसी न किसी रूप में जीवन के दूसरे पड़ाव में भी जरूर आती हैं।

नरेन्द्र मोदी के शब्दों का जादू और भारत की शिक्षा को ऊंचाई तक ले जाने की तड़प ने एक-एक छात्र एवं शिक्षक को भीतर तक हिला दिया। इस अभिक्रम को देख कुछ लोग तो आश्चर्य में डूब गये क्योंकि मोदी ने शुरुआत में ही कहा कि

छात्र पहले से कहीं अधिक नवोन्मेषी हो गए हैं, इसलिये यह कार्यक्रम मेरे लिए भी एक परीक्षा की तरह है। उन्होंने माता पिता से कहा कि आपको किसी बच्चे की तुलना किसी दूसरे से नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह उसके भविष्य के लिए हानिकारक हो सकता है। कुछ माता-पिता अपने बच्चे के ‘रिपोर्ट कार्ड’ को अपना ‘विजिटिंग कार्ड’ मानते हैं, यह ठीक नहीं है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा और चुनौतियां जीवन में प्रेरणा का काम करती हैं, लेकिन प्रतिस्पर्धा स्वस्थ होनी चाहिए। इसके लिये उन्होंने प्रेरणा, आत्मविश्वास, एकाग्रता, आशा, उत्साह, समय और तनाव प्रबंधन आदि ऐसे अनेक विषयों पर बोला जो विद्यार्थी से लेकर आम व्यक्ति के जीवन को उजालने के लिये जरूरी है।

‘परीक्षा पे चर्चा’ कार्यक्रम के दौरान मोदी से सवाल हुआ कि छात्रों को प्रेरित करने में शिक्षकों की क्या भूमिका होनी चाहिए और छात्रों को किस तरह से तनावमुक्त रखना चाहिए? मोदी ने कहा कि किसी भी शिक्षक और छात्र के बीच परीक्षा को लेकर सिर्फ नाता नहीं होना चाहिए, अगर ऐसा है तो उसे ठीक करने की जरूरत है। शिक्षक और छात्र का नाता पहले दिन से ही निरंतर प्रगाढ़ता से ब ?ते रहना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो परीक्षा के दिनों में तनाव की नौबत ही नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि बच्चों के तनाव को कम करने में शिक्षक की अहम भूमिका होती है। इसलिए शिक्षक और छात्रों के बीच हमेशा सकारात्मक रिश्ता रहना चाहिए। शिक्षक का काम सिर्फ जॉब करना नहीं, बल्कि जिंदगी को संवारना है, जिंदगी को सामर्थ्य देना है, यही परिवर्तन लाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक को सिलेबस से आगे ब ?कर छात्रों से संग रिश्ता बनाना चाहिए। इसी से छात्रों के उन्नत, सक्षम, प्रखर एवं चरित्रसम्पन्न जीवन की संभावनाओं का धरातल मजबूत होगा और इसी से वे वर्चस्वी और यशस्वी बनेंगे, उनकी रचनात्मक एवं सृजनात्मक प्रतिभा निखरेगी। संभवत: इसी से सशक्त भारत एवं विकसित भारत का सपना आकार ले सकेगा।

ग्रामीण छात्रों की पसंद विज्ञान एवं तकनीकी विषयों की बजाय आर्ट्स विषय ही होना, शिक्षा के प्रति उपेक्षा एवं शिक्षकों की उदासीनता को ही दर्शा रहा है। समस्या गणित या भाषा नहीं है, ग्रामीण क्षेत्रों की पढ़ाई में यह पिछड़ापन अपने देश के लिए कोई नई बात नहीं। यह चुनौती बड़ी इसलिए है कि नवीन शिक्षा नीति घोषित होने के बावजूद स्कूली पढ़ाई की नियमित प्रक्रिया में इसका इलाज नहीं तलाशा गया है। जाहिर है, विशेष प्रयास करने पड़ेंगे, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी अन्यथा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बनने की राह पर बढ़ रहे देश के लिये यह चुनौती एक अंधेरा ही है। इसके लिये शिक्षकों एवं छात्रों के रिश्ते को नये आकार में ढालने की अपेक्षा है। भारत जैसे देश में शिक्षा और उसके पढ़ाई के स्तर पर ऐसी कई पेचीदिगियां एवं चुनौतियां हैं। पढ़ाई का स्तर और पढ़ाई के ढंग की वजह का सीधा असर छात्रों के परीक्षा पर पढ़ता है। ये भी हकीकत है कि 2014 में केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद से शिक्षा के क्षेत्र में आमूल चूल परिवर्तन की शुरुआत की गयी है, नयी शिक्षा नीति घोषित की गयी है, लेकिन अभी भी शिक्षा में कई क्रांतिकारी परिवर्तन की जरूरत है। भारत में परीक्षा का तनाव इतना घातक है कि इसके तनाव से छात्र खुदकुशी तक कर लेते हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक परीक्षा में फेल होने के कारण साल 2014 से साल 2020 के बीच कुल 12,582 छात्रों ने आत्महत्याएं की हैं। आधुनिक शिक्षा के सामने आज अनेक चुनौतियां हैं। जबकि हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरंतर सामंजस्यपूर्ण विकास करके हमारे स्वभाव को परिवर्तित करने का सशक्त माध्यम है। हमने प्राचीन शिक्षा प्रणाली की इन विशेषताओं को भुला दिया है। आजादी के बाद से चली आ रही शिक्षा प्रणाली में शिक्षालय मिशन न होकर व्यवसाय बन गया था। मोदी ‘परीक्षा पे चर्चा’ से शिक्षा के गौरव को स्थापित करने को भी तत्पर हैं।

‘परीक्षा पे चर्चा’ में अनेक छोटी-छोटी बातों पर भी ध्यान आकर्षित किया गया। जैसे हाथ से लिखने की आदत का कम होना। आईपैड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर समय बिताने के कारण बहुत से छात्रों की कलम से कागज पर लिखने की आदत छूट गई है। दैनिक आधार पर छात्रों को लिखने का अभ्यास करना चाहिए। एक विषय लें और उस पर लिखें, और फिर उसमें खुद ही सुधार करें। यह अभ्यास आपको अपनी गलतियों को सुधारने में मदद करेगा और आपको सही तरीके से रणनीति बनाने में भी मदद करेगा। आज परीक्षा में सबसे बड़ी चुनौती हाथ से लिखना ही है, इसके लिये निरन्तर लिखने का अभ्यास जरूरी है। क्योंकि अगर आपको तैरना आता है तो पानी में जाने से डर नहीं लगता। जो प्रैक्टिस करता है उसे भरोसा होता कि मैं पार कर जाऊंगा। छात्रों एवं परीक्षा के लिये एक स्वतंत्र आयोजन, निश्चित ही दूरगामी सोच का परिणाम है।

नरेन्द्र मोदी शिक्षा में नये मूल्यों की स्थापना कर उसे सुन्दर शक्ल देने की बड़ी जिम्मेदारी मानते हुए ही ऐसे आयोजन को महत्व दे रहे हैं। उनको खुद को इसका बेसब्री से इंतजार रहता है। वे परीक्षाओं को मनोरंजक और तनाव मुक्त बनाने से संबंधित नये-नये तरीके प्रस्तुत कर छात्रों की निराशाओं को अवसरों की खिड़की बना कर उससे ताजी हवा का अहसास कराते हैं।

-ललित गर्ग
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

विपक्षी दल आपस में ही लड़ते नजर आ रहे हैं

आजकल वर्तमान केंद्र सरकार को सत्ताच्युत करने के सपने देखने की राजनीति गरम है। केंद्र में विपक्ष की राजनीति करने वाली कांग्रेस सहित तमाम क्षेत्रीय दल एक साथ चलने का राग अलाप रहे हैं, लेकिन वर्तमान राजनीतिक शैली को देखते हुए सहज ही यह सवाल देश के वातावरण में अठखेलियाँ कर रहा है कि क्या आज की स्थिति और परिस्थिति को देखते हुए विपक्ष की भूमिका निभाने वाले राजनीतिक दल एक होकर चुनाव लड़ पाएंगे। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि सारे दल इस जोर आजमाइश में लगे हैं कि किसको कितनी सीट दी जाएं। इस बारे में कांग्रेस के समक्ष बड़ी विकट स्थिति निर्मित होती जा रही है। क्योंकि जहां एक ओर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कांग्रेस के अस्तित्व को बचाने के लिए एक और राजनीतिक यात्रा पर निकल चुके हैं, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय दल कांग्रेस को कोई भाव नहीं दे रहे। इसके पीछे का कारण स्वयं कांग्रेस की राजनीति ही है। क्योंकि उसके नेताओं को न तो अपनी वास्तविक स्थिति का ज्ञान है और न ही उसके नेता वैसा आचरण ही कर रहे हैं। इसी कारण आज क्षेत्रीय दल कांग्रेस से ज्यादा प्रभावशाली हैं। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों के सहारे की तलाश है और कांग्रेस इस सत्य को अभी समझने में पूरी तरह असमर्थ दिखाई दे रही है।

देश में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम के बाद यह लगने लगा है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार पुन: आसीन होने की ओर अग्रसर है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि केंद्र की सरकार ने जो काम किए हैं उनके प्रति भारत की जनता का जुड़ाव दिखाई देता है। इसी कारण भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए जहां देश में विपक्ष के राजनीतिक दल एकता के लिए प्रयास करते दिखाई दे रहे थे, अब उन प्रयासों में बहुत बड़ा पेंच सामने आ गया है। यह पेंच इसलिए भी स्थापित हुआ है क्योंकि कांग्रेस को सारे क्षेत्रीय दल आंखें दिखाने की अवस्था में दिखाई देने लगे हैं। इसके पीछे क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का अस्तित्व बचाने का तर्क दिया जा सकता है, लेकिन सत्य यह भी है कांग्रेस वर्तमान में बहुत कमजोर हो गई है। इसलिए कांग्रेस को मन मुताबिक सीट देने को कोई भी दल तैयार नहीं है। पश्चिम बंगाल में एक तरफ ममता बनर्जी कांग्रेस को उसकी स्थिति के अनुसार सीट देने को तैयार नहीं हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी कांग्रेस को ज्यादा सीट देने के मूड में नहीं है। इंडी गठबंधन के लिए रही सही कसर पर नीतीश कुमार ने बिहार में कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद स्वाभाविक रूप से विपक्षी एकता के गठबंधन को बहुत बड़ा आघात लगा है। उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन की एकता के एक बड़े नेता के रूप में स्थापित हुए थे, मगर कांग्रेस द्वारा महत्व नहीं दिए जाने के कारण नीतीश कुमार ने अपनी अलग राजनीतिक राह निर्मित कर ली।

वर्तमान में राजनीति रूप से अस्तित्व बचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे विपक्षी दलों के समक्ष एक बार फिर से अपनी एकता को बनाए रखने के लिए चुनौतियों का पहाड़ स्थापित होता दिखाई दे रहा है। जहां तक विपक्षी एकता की बात है तो आज के हालात को देखते हुए निश्चित ही यह कहा जा सकता है कि जितने मुंह उतनी बातें हो रही हैं। विपक्ष के सारे दल किसी न किसी रूप में अपनी महत्वाकांक्षा को प्रदर्शित कर रहे हैं। तू डाल डाल, मैं पात पात वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए कांग्रेस सहित क्षेत्रीय दल अपनी पहचान बनाए रखने के लिए एक दूसरे को आंखें दिखा रहे हैं। इससे एक बात पूरी तरह से स्पष्ट हो जाती है कि कांग्रेस के नेतृत्व को कोई भी दल सर्वसम्मति से स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। लेकिन कांग्रेस का रवैया ऐसा दिखाई दे रहा है, जैसे उनका ही दल सब कुछ है। पश्चिम बंगाल और पंजाब की राजनीतिक स्वरों के निहितार्थ तलाशे जाएं तो यह कहने में कोई अतिरेक नहीं होगा कि कांग्रेस इन राज्यों में अपेक्षाकृत प्रदर्शन नहीं कर पाएगी। ऐसा इसलिए भी संभव है, क्योंकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का आधार और प्रभाव है और वह किसी भी प्रकार से अपने प्रभाव को कमजोर करने का काम नहीं करेंगी, क्योंकि ममता के पास पश्चिम बंगाल के अलावा कहीं भी राजनीतिक जमीन नहीं है। ऐसा ही पंजाब में आम आदमी पार्टी के बारे में कहा जा सकता है। इन दोनों दलों का व्यापक प्रभाव इन्हीं राज्यों में है, जिसे वह खोना नहीं चाहते।

आज भले ही कांग्रेस की ओर से विपक्षी एकता के प्रयास किए जा रहे हों, लेकिन इन प्रयासों की सफलता तभी संभव है, जब कांग्रेस द्वारा अन्य राजनीतिक दलों की महत्वाकांक्षाओं को स्वीकार किया जाए, लेकिन कांग्रेस के वर्तमान रवैए को देखते हुए ऐसा संभव नहीं लगता। एक समय गठबंधन के मुख्य सूत्रधार कहे जाने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा की तरफ कदम बढ़ाने की कवायद को विपक्षी एकता के लिए जबरदस्त आघात के रूप में ही देखा जा रहा है। ऐसा करने के पीछे अनुमान यही है कि भारतीय जनता पार्टी ने अपनी स्वीकारोक्ति में वृद्धि की है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भले ही न्यायालय के आदेश पर हुआ हो, लेकिन इसके लिए भाजपा के योगदान को आज पूरा देश जानता है। आज बिहार की राजनीति का अध्ययन किया जाए तो यह कहना ठीक ही होगा कि वहां भले ही राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल युनाइटेड के बीच बेमेल गठबंधन बनाकर सरकार का संचालन किया जा रहा था, लेकिन इन दोनों दलों के बीच विचारों की एकता नहीं थी। दोनों ही दल अपनी अपनी दाल पकाने में व्यस्त रहे। कहा तो यह भी जा रहा है कि लालू प्रसाद यादव अपने पुत्र को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान करने की राजनीति करने लगे थे।

इसी प्रकार की स्थिति उत्तर प्रदेश की है, जहां कांग्रेस की राजनीतिक जमीन शून्यता की ओर कदम बढ़ा रही है। ऐसे में समाजवादी पार्टी कांग्रेस को उतना महत्व नहीं देगी, जितना वह चाहती है। इस प्रकार की परिस्थिति के बीच कांग्रेस अपने राजनीतिक भविष्य की तस्वीर में किस प्रकार से रंग भरेगी, यह फिलहाल टेढ़ी खीर ही कही जाएगी। कुल मिलाकर यही कहा जाएगा कि विपक्ष की एकता जो प्रयास किए जा रहे हैं, उसके समक्ष एक एक करके बड़े अवरोध भी स्थापित हो रहे हैं। इस अवरोधों का सामना करने की हिम्मत एकता से ही संभव हो सकती थी, जो फिलहाल असंभव-सा ही लग रहा है। ऐसा लगने लगा है विपक्षी एकता के प्रयास तार-तार हो रहे हैं। इसके पीछे कांग्रेस की एक बड़ी खामी यह भी है कि वह भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में न जाने की आत्मघाती भूल कर चुकी है। भगवान राम से भारत की जनता का सीधा संबंध है, जिसे कोई भी राजनीतिक दल नकारने का साहस नहीं कर सकता। विपक्षी राजनीतिक दलों को भविष्य की राजनीति की ओर कदम बढ़ाना है तो उसे भारत की आस्था को सम्मान देना ही होगा, नहीं तो जो स्थिति पहले हुई, वैसी ही स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

-सुरेश हिन्दुस्थानी
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

राशिफल

माघ कृष्ण- पंचमी

(विक्रम संवत् 2080)

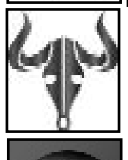
मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शारीरिक परेशानी बनी रहेगी। शत्रु पर काबू कर लेंगे आप। प्रेम संतान की स्थिति बहुत अच्छी है।

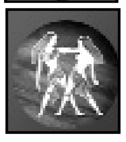
वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
बहुत बचकर पार करें। किसी तरीके का रिस्क न लें। चोट-चपेट लग सकती है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
प्रेम में तू-तू, मैं-मैं का संकेत है। अवसाद सा महसूस करेंगे। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
कार्यक्षेत्र में नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है। आपको भी शोल्डर से लेकर सर तक में परेशानी।

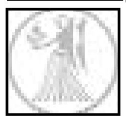
सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धन-हानि के संकेत हैं। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। कुटुंबों में अनबन की स्थिति।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
ऊर्जा का स्तर घटता-बढ़ता रहेगा। सामान्य नहीं रहेगा इसलिए इसको डाइजेस्ट करने में आपको प्रॉब्लम होगी।

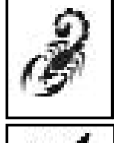
तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
बड़े बदलावों के लिए रहें तैयार, आर्थिक स्थिति में होगा सुधार, सफल होने के लिए करें कड़ी मेहनत।

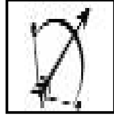
वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मानसिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। ऊर्जा का स्तर घटता-बढ़ता रहेगा। प्रेम, संतान भी बहुत अच्छा नहीं रहेगा।

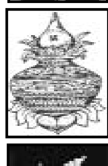
मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मानहानि का संकेत है। स्वास्थ्य ठीक है, प्रेम संतान अच्छा है लेकिन थोड़ी दूरी बनी रहेगी। व्यापारिक स्थिति मध्यम बनी रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
अचानक आय बढ़ सकती है और अप्रत्याशित घटनाएं घटेंगी। थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बहुत सोच-समझकर कोई भी निर्णय लीजिएगा। कोई रिस्क मत लीजिएगा क्योंकि हर मामले में समय खराब चल रहा है।

छह फीसदी भूखंड की पात्रता तय करने प्राधिकरण की टीम आएगी आपके द्वार

प्राधिकरण की टीम गांवों में शिविर लगाकर छह फीसदी भूखंडों की पात्रता करेगी तय

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को जमीन देने वाले किसानों की छह फीसदी भूखंड प्राप्त करने की पात्रता तय करने के लिए गांवों में शिविर लगाएगा। पहला शिविर एक फरवरी को डाढ़ा गांव में लगेगा। दो फरवरी को सिरसा गांव में शिविर लगाया जाएगा। साथ ही एसआईटी जांच के बाद सही प्रकरणों में लीज बैक करने के लिए इसी कैंप में आवेदन किया जा सकता है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण विकास परियोजनाओं के लिए किसानों की जमीन अधिग्रहित करता है और उसके एवज में प्राधिकरण की तरफ से कुल अधिग्रहित जमीन का 06 फीसदी हिस्सा विकसित करके किसानों को देता है। इसकी पात्रता तय करने के लिए किसानों को प्राधिकरण आना पड़ता है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने किसानों को सुविधा प्रदान करते हुए छह फीसदी भूखंड प्राप्त करने की पात्रता तय करने के लिए गांवों में ही जाकर शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण के ओएसडी हिमांशु वर्मा ने बताया कि भूलेख विभाग की टीम एक फरवरी को सुबह 11 बजे से डाढ़ा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शिविर लगाएगी। इसके बाद दो फरवरी को सिरसा गांव में शिविर लगाया जाएगा। इस शिविर में एसीईओ स्तर के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। पात्रता तय कराने के लिए किसान संबंधित दस्तावेज लेकर इस शिविर में आ सकते हैं। अगर किसी को आपत्ति है तो वह भी इस कैंप में आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। गांवों में ही शिविर लगाने से किसानों को बढ़ी सुविधा हो जाएगी। किसानों को प्राधिकरण नहीं आना पड़ेगा।

मेरठ मेट्रो में वायडक्ट निर्माण में तेजी

मेरठ (चेतना मंच)। 82 किमी लंबे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर पर मेरठ सेक्शन में आरआरटीएस और मेरठ मेट्रो का निर्माण कार्य प्रगति पर है। यहां वायडक्ट निर्माण में तेजी के लिए एनसीआरटीसी ने 10 तारिणी (लॉन्चिंग गैंट्री) स्थापित की हैं और इनके अतिरिक्त और 2 तारिणी स्थापित की जाने वाली हैं।

मेरठ सेक्शन में, मेरठ साउथ आरआरटीएस स्टेशन से मोदीपुरम डिपो तक कॉरिडोर की लंबाई 23 किमी है, जिसमें से 18 किमी का हिस्सा एलिवेटेड है, जबकि बाकी हिस्सा अंडरग्राउंड है। यहां वर्तमान में 18 किमी के एलिवेटेड सेक्शन में से 11 किमी में वायडक्ट निर्माण पहले ही पूर्ण किया जा चुका है और अब बाकी 7 किमी के हिस्से में वायडक्ट निर्माण तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

एनसीआरटीसी वायडक्ट निर्माण के लिए प्री-कास्ट सेगमेंट्स का प्रयोग कर रही है, जिन्हें तारिणी की मदद से लॉन्च करके वायडक्ट निर्माण किया जा रहा है। वायडक्ट निर्माण के लिए कॉरिडोर पर 34 मीटर की दूरी पर पिलर्स बनाए गए हैं और लगभग 34 मीटर से अधिक की दूरी वाली जगहों पर वायडक्ट निर्माण हेतु स्पेशल स्टील स्पैन स्थापित किए जाते हैं।

मेरठ वासियों की सुविधा के लिए यहां आरआरटीएस के 4 और मेरठ मेट्रो के लिए 13 स्टेशनों का निर्माण किया जा रहा है और ये सभी स्टेशन जल्द अपने वास्तविक स्वरूप में दिखाई देंगे। इनमें मेरठ साउथ, शताब्दी नगर, बेगमपुल (अंडरग्राउंड) और मोदीपुरम आरआरटीएस स्टेशन होंगे, जिनपर आरआरटीएस और मेरठ मेट्रो दोनों सेवाएँ उपलब्ध होंगी। वहीं परतापुर, रिठानी, ब्रहमपुरी, मेरठ सेंट्रल (अंडरग्राउंड), भैंसाली (अंडरग्राउंड), एमईएस कॉलोनी, दौरली, मेरठ नॉर्थ और मोदीपुरम डिपो, मेरठ मेट्रो स्टेशन होंगे, जिनपर तीन कोच वाली मेरठ मेट्रो की ही सेवाएं उपलब्ध होंगी, जो मेरठ की परिधि में यात्रियों के आवागमन को सुविधाजनक बनाएंगी। मेरठ में आरआरटीएस के मूल आधारभूत ढांचे पर ही मेरठ मेट्रो ट्रेन सेवाएं भी संचालित होंगी।

मेरठ साउथ, परतापुर, रिठानी और शताब्दी नगर स्टेशनों में सिविल निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और वर्तमान में यहां फिनिशिंग का कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही इन एलिवेटेड स्टेशनों में प्री-फेब्रिकटेड छत निर्माण का कार्य भी आरंभ हो गया है। इसके साथ ही मेरठ के अंडरग्राउंड स्टेशनों में निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और यहां ट्रैक बिछाने की गतिविधियां भी आरंभ हो चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि मेरठ के तीनों अंडरग्राउंड स्टेशनों को आपस में जो ?ने के लिए टनल का निर्माण पहले ही पूर्ण किया जा चुका है और वर्तमान में इन टनल में ट्रैक बिछाने का कार्य प्रगति पर है।

गर्भवती की निजी अस्पताल में मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना रबूपुरा क्षेत्र के खेड़ा मोहम्मदाबाद निवासी एक गर्भवती महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। महिला का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्राम खेड़ा मोहम्मदाबाद निवासी जयप्रकाश की पत्नी कृष्णा 9 माह की गर्भवती थी। पिछले तीन-चार दिनों से उसकी तबीयत खराब थी और उसका उपचार एक निजी अस्पताल में चल रहा था। मंगलवार को चिकित्सकों ने उसका अल्ट्रासाउंड किया तो पता चला कि कृष्णा के पेट में ही बच्चे की मौत हो गई है। बच्चे की पेट में मौत होने से कृष्णा की हालत लगातार बिगड़ती चली गई। चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद भी कृष्णा को बचाया नहीं जा सका और उसकी उपचार के दौरान मौत हो गयी। अस्पताल से सूचना मिलने पर थाना रबूपुरा पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। थाना प्रभारी ने बताया कि इस संबंध में परिजनों ने अभी कोई शिकायत नहीं दी है।

स्पेशल डीजी प्रशांत कुमार को उत्तर प्रदेश के कार्यवाहक डीजीपी का चार्ज दिया गया है। वर्तमान डीजीपी विजय कुमार आज रिटायर हो गये। प्रशांत कुमार 1990 बैच के आईपीएस अफसर हैं। प्रशांत कुमार का कार्यकाल मई 2025 तक है। प्रशांत कुमार को यूपी पुलिस का डीजीपी बनाया जाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने बधाई दी।

पृष्ठ एक के शेष....

मोदी सरकार के...

उन्होंने कहा कि जनकल्याण की तमाम सरकारी योजनाओं से बदलाव आ रहा है। ये सिर्फ सुविधाएं भर नहीं, देश के नागरिकों के पूरे जीवन-चक्र पर इन योजनाओं का सकारात्मक असर पड़ रहा है।

संसद के बजट सत्र की शुरुआत में संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग और लघु उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए हुए प्रयासों को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। उन्होंने कहा, डिजिटल इंडिया का निर्माण बीते 10 साल में हुए बड़े बदलावों में अग्रणी है। आज भारत में ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर बन रहा है, जिसका सपना हर भारतीय देखता था। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार मानती है कि विकसित भारत की भव्य इमारत 4 मजबूत स्तंभों पर खड़ी होगी। उन्होंने युवाशक्ति, नारीशक्ति, किसान और गरीब को चार स्तंभ करार दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकटों के बावजूद मेरी सरकार ने देश में महंगाई को काबू में रखा, सामान्य भारतीय का बोझ नहीं बढ़ने दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सरकार परीक्षा में होने वाली गड़बड़ी को लेकर युवाओं की चिंताओं से अवगत है और इसे रोकने के लिए एक कानून बनाएगी। मुर्मू ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी किए जाने, औपनिवेशिक आपराधिक कानूनों के स्थान पर नए कानून बनाए जाने सहित केंद्र सरकार के कई अन्य कदमों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्ष में, भारत ने राष्ट्र-हित में ऐसे अनेक कार्यों को पूरा होते हुए देखा है जिनका इंतजार देश के लोगों को दशकों से था। आज अर्थव्यवस्था के विभिन्न आयामों को देखें तो यह विश्वास बढ़ता है कि भारत सही दिशा में है तथा सही निर्णय लेते हुए आगे बढ़ रहा है। राष्टपति ने कहा, %बीते दशक में, मेरी सरकार ने सुशासन और पारदर्शिता को हर व्यवस्था का मुख्य आधार बनाया है।% उन्होंने कहा कि भारत में बिजनेस करना आसान हो, इसके लिए उपयुक्त माहौल रहे, ये सुनिश्चित करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार 'न्याय-सर्वोपरि' के सिद्धांत पर काम कर रही है। देश में डिजिटल डेटा की सुरक्षा के लिए कानून बनाए जा रहे हैं। नेशनल रिसर्च फाउंडेशन कानून से देश में शोध और नवाचार यानी इनोवेशन को बल मिलेगा। उन्होंने जम्मू-कश्मीर से जुड़े आरक्षण कानून का भी जिक्र किया। राष्टपति ने कहा कि सरकार, रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की अपनी कमिटमेंट लगातार जारी रखने में सफलता हासिल कर रही है।

नए संसद भवन में राष्टपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने पहले अभिभाषण में कहा कि बीता वर्ष भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने लगातार दूसरी तिमाही में भारत की विकास दर 7.5 फीसदी रहने का जिक्र करते हुए देश की आर्थिक नीतियों को शानदार बताया। उन्होंने डिजिटल इंडिया जैसी पहल की भी सराहना की।

संविधान लागू होने के 75वीं वर्षगांठ, देश ने गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया। आजादी के 75वें साल में अमृत महोत्सव मनाते हुए देश की युवा पीढ़ी ने फिर से आजादी के कालखंड को जिया। कृतज्ञ राष्ट्र ने अपने स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया।

राष्ट्रपति के अभिभाषण की बड़ी बातें

- इस नए संसद भवन में यह मेरा पहला संबोधन है. आजादी के अमृतकाल की शुरुआत में यह भव्य भवन बना है. यहां एक भारत श्रेष्ठ भारत की महक भी है। भारत की सभ्यता और संस्कृति की चेतना भी है। इसमें हमारी लोकतांत्रिक और संसदीय परंपराओं के सम्मान का प्रण भी है।

- यह हमारे संविधान के लागू होने का भी 75वां वर्ष है. इसी कालखंड में आजादी के 75 वर्ष का उत्सव, अमृत महोत्सव भी संपन्न हुआ है. देश ने अपने गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया। 75 साल बाद युवा पीढ़ी ने फिर स्वतंत्रता संग्राम के उस कालखंड को जिया।

-मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत, देश भर के हर गांव की मिट्टी के साथ अमृत कलश दिल्ली लाए गए. दो लाख से ज्यादा शिला फलकम स्थापित किए गए. तीन करोड़ से ज्यादा लोगों ने पंच प्राण की शपथ ली. 70 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर बने.

-दुनिया में गंभीर संकटों के बीच भारत सबसे तेजी से विकसित होती बड़ी अर्थव्यवस्था बना. लगातार 2 क्वार्टर में भारत की विकास दर 7.5 फीसदी से ऊपर रही है. भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर झंडा फहराने वाला पहला देश बना।

- राम मंदिर के निर्माण की आकांक्षा सदियों से थी. आज यह सच हो चुका है. जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल-370 हटाने को लेकर शंकाएं थीं. आज वे इतिहास हो चुकी हैं. इसी संसद ने तीन तलाक के खिलाफ कड़ा कानून बनाया।

-मेरी सरकार ने वन रैंक वन पेंशन को भी लागू किया, जिसका इंतजार चार दशकों से था. ओरओपी लागू होने के बाद अबतक पूर्व सैनिकों को करीब एक लाख करोड़ रुपये मिल चुके हैं. भारतीय सेना में पहली बार चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति भी हुई है।

- हमने भारत को फ्रैजाइल फाइव से निकलकर, टॉप फाइव इकोनॉमीज में शामिल होते देखा है. भारत का निर्यात करीब 450 बिलियन डॉलर से बढ़कर 775 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है. पहले की तुलना में एफडीआई दोगुना हुआ है. खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों की बिक्री में चार गुना से अधिक की वृद्धि हुई है.

- बीते दशक में, मेरी सरकार ने सुशासन और पारदर्शिता को हर व्यवस्था का मुख्य आधार बनाया है. इस दौरान देश को इन्सॉल्वेंसी और बैंकरप्टी कोड मिला है. देश को जीएसटी के रूप में एक देश एक टैक्स कानून मिला है.

- उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में डिफेंस कॉरिडोर का विकास हो रहा है. मेरी सरकार ने डिफेंस सेक्टर में निजी क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित की है. स्पेस सेक्टर को भी हमारी सरकार ने युवा स्टार्टअप्स के लिए खोल दिया है.

- ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में लगातार सुधार हो रहा है. बीते कुछ सालों में 40 हजार से ज्यादा कॉम्प्लीकेंस हटाए या सरल किए गए हैं. कंपनी एक्ट और लिमिटेड लाइबिलिटी पार्टनरशिप एक्ट में 63 प्रावधानों को अपराध की सूची से बाहर किया है.

'आदतन हुड़दंगी' ...

जिनको आदतन हुडदंग का स्वभाव बन गया है। आदतन लोकतांत्रिक मूल्यों का चीर हरण करते हैं, वैसे सांसद इस आखिरी संत्र में जरूर आत्म निरीक्षण करेंगे, वे संसद के आखिरी सत्र में होंगे। ये बजट सत्र पश्चाताप का भी अवसर है, इसको जाने मत दीजिए।

उन्होंने कहा, मैं इतना जरूर कहूंगा कि जिनका आदतन हुड़दंग करने का स्वभाव बन गया है, जो आदतन लोकतांत्रिक मूल्यों का चीरहरण करते हैं, ऐसे सभी माननीय सांसद आज जब आखिरी सत्र में मिल रहे हैं, तब जरूर आत्मनिरीक्षण करेंगे कि 10 साल में उन्होंने जो किया, अपने संसदीय क्षेत्र में भी 100 लोगों से पूछ लें। किसी को याद नहीं होगा कि जिन्होंने इतना हुड़दंग किया। मैं मानता हूं कि एक बड़ा वर्ग लोकतंत्र प्रेमी उस व्यवहार की सराहना करेंगे, जिन्होंने सकारात्मक होकर सरकार की तीखी आलोचना की।

पीएम का कहना था कि विरोध का स्वर तीखा क्यों न हो, लेकिन जिसने सदन में उत्तम विचारों का लाभान्वित किया होगा, उनको बड़ा वर्ग याद करता होगा। आने वाले दिनों में भी जब सदन की चर्चाएं कोई देखेगा तो एक एक शब्द इतिहास की तारीख बनकर उजागर होगा। इसिलिए जिन्होंने विरोध किया हो, बुद्धि प्रतिभाओं का दर्शन कराया होगा। हमारे खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया की होगी, उसके बावजूद मैं मानता हूं कि बहुत बड़ा वर्ग लोकतंत्र प्रेमी सभी लोग इस व्यवहार की सराहना करते हैं। लेकिन जिन्होंने सिर्फ नकारात्मकता, हुड़दंग किया होगा, उनको शायद ही कोई याद करे।

बता दें कि मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का यह आखिरी बजट सत्र है। सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के बाहर बयान दिया। आज ही संसद में इकोनॉमिक सर्वे रिपोर्ट और कल (1 फरवरी) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश का बजट पेश करेंगी।

बहू की अश्लील...

मोबाइल फोन पर किसी अज्ञात व्यक्ति की कॉल आई। फोन करने वाले ने अभद्रता करते हुए बताया कि उसके क्रेडिट कार्ड के 50 हजार रूपए बाकी हैं। उन्होंने जब किसी भी तरह का क्रेडिट कार्ड होने से इनकार किया तो फोन करने वाले ने बताया कि उनकी पुत्रवधू ने क्रेडिट कार्ड के पैसे जमा नहीं कराए हैं। पैसे जमा न करने की स्थिति में रिकवरी एजेंट ने उनकी पुत्रवधू के अश्लील फोटो शहर के हर खंबे पर चिपकाने की धमकी दी। दरोगा के मुताबिक उन्होंने जब बताया कि वह उत्तर प्रदेश पुलिस में दरोगा है तो भी रिकवरी एजेंट के तेवर ठंडे नहीं हुए। दरोगा बताने पर रिकवरी एजेंट ने उनके साथ बेहद अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए उसकी ही बेल्ट से मार मारकर जान से मारने की धमकी दे डाली। दरोगा के मुताबिक उन्हें अथवा उनके परिवार के किसी सदस्य के क्रेडिट कार्ड के संबंध में कोई जानकारी नहीं है। मामला विभागीय व्यक्ति से जुड़ा होने के कारण थाना सूरजपुर पुलिस ने भी अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ तुरंत मामला दर्ज कर लिया। पीड़ित दरोगा द्वारा उपलब्ध कराए गए नंबर को सर्विलांस पर लगाकर पुलिस आरोपी तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है।

वेस्ट यूपी के इन...

बादल-बिजली की चेतावनी जारी की गई है।

आज सुबह पड़ रहे घने कोहरे के कारण ईस्टर्न पेरीफेरल हाईवे एनएच 91, यमुना एक्सप्रेसवे और नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम रही। जिसके कारण वाहन चालकों को वाहन चलाने में काफी दिक्कत हो रही थी। कोहरे की चादर में लिपटा नोएडा के महामाया फ्लाईओवर पर तो कई यात्री वाहन को रोक कर कोहरे के कम होने का इंतजार करते हुए नजर आ रहे थे। कुछ स्थानों पर मध्य रात्रि से सुबह तक कोहरा गिरने के कारण जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कुछ इलाकों में विजिबिलिटी बेहद कम है। कोहरे की वजह से यातायात में खासी दिक्कत पेश आ रही हैं। करीब की चीजें भी बड़ी मुश्किलें से दिख रही थी। मार्ग पर संकेतक व रिफ्लेक्टरों की कमी वाहन चालकों को साफ तौर पर खल रही थी। धुंध में उन्हें कुछ दिखाई नहीं दे रहा था।

मेट्रो स्टेशन से...

चोरी की जानकारी मिलने पर उसने तुरंत थाना सेक्टर 39 पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी ने बताया कि अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। बता दें कि आए दिन नोएडा के मेट्रो स्टेशनों पर पर्स मोबाइल चोरी होने की घटनाएं हो रही है मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा की दृष्टि से सीआईएसएफ के जवान भी तैनात रहते हैं बावजूद इसके चोरी की घटनाएं थम नहीं रही हैं।

हाईराइज सोसायटी के...

ले जाने के लिए रोजाना घर आता है गौरव कुमार शराब की लत से ग्रसित है इस कारण वह चोरी की घटना को अंजाम दे सकता है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और ड्राइवर से पूछताछ की जा रही है।

नामी यूनिवर्सिटी के...

साथ उसकी गाड़ी से खाना खाने के लिए जा रहा था। जैसे ही वह एशियन लॉ कॉलेज के गेट के पास पहुंचे तो पीछे से आए कुछ युवकों ने उनकी गाड़ी को घेर लिया। सभी युवक लाठी डंडों से लैस थे और उन्होंने गाड़ी रुकते ही हमलावरों ने गाड़ी पर वार कर शीशो को तोड़ दिया। उन्होंने जब विरोध करने का प्रयास किया तो हमलावरों ने उन्हें गाड़ी से नीचे खींच लिया और लाठी डंडों से मारपीट की। मारपीट होती देखकर आस-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे इसके बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। सौरभ डबास ने दीपक नागर, भूपेंद्र चौधरी, अमन भाटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

गांव में युवक पर...

में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर चारों आरोपियों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

छलेरा की गली में मिला शव

नोएडा (चेतना मंच)। छलेरा गांव की गली नंबर-2 में एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि किसी व्यक्ति ने सूचना दी थी कि छलेरा गांव की गली नंबर-2 में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। उन्होंने बताया कि मृतक की उम्र करीब 47 वर्ष के आसपास है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उक्त व्यक्ति क्षेत्र में लावारिस घूमता रहता था। उन्होंने बीमारी के वजह से उक्त व्यक्ति की मौत होने की संभावना जताई है। मौत के सही कारणों का पता जानने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-एन-2024-18	अनुमानित लागत रू.
कार्य का नाम : ग्वालियर-धौलपुर सेक्शन (अप एंड डाउन)- रिप्लेसमेंट ऑफ चैनल स्लीपर विथ एच-बीम स्लीपर ऑन ब्रिज नंबर 1267/2 एंड ब्रिज नंबर 1282/1	119858099.50

अमानत राशि : 749300.00, निविदा बन्द होने की तिथि : 16.02.2024 at 15:00 hrs., स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 08 माह। • निविदा दिनांक 16.02.2024 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 166/24 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @northcentralrailway @CPRONCR

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

भाजपा नेता की हत्या करने वाले पीएफआई के 15 सदस्यों को मौत की सजा

तिरुअनंतपुरम। भाजपा नेता रंजीत श्रीनिवास की हत्या करने वाले प्रतिबंधित पीएफआई के 15 सदस्यों को जिला कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार बीजेपी नेता हत्याकांड में केरल की अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। बता दें कि भाजपा नेता श्रीनिवास की 19 दिसंबर 2021 में जघन्य हत्या कर दी गई थी। अब जाकर कोर्ट ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के 15 सदस्यों के खिलाफ मौत की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार मावेलिक्कारा अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने सुनवाई के बाद इस चर्चित हत्याकांड में अदालत ने फैसला सुनाया है। दरअसल इस हत्याकांड की देशभर में चर्चा हुई थी। साथ ही केरल की राजनीति भी इसके बाद काफी गरमा गई थी। मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में नैसम, अजमल, अनूप, मोहम्मद असलम, अब्दुल कलाम उर्फ सलेम, जफरुद्दीन, मनशाद, जसीबा राजा, नवास, समीर, नजीर, जाकिर हुसैन, शाजी पूवनथुंगल और शेरनस अशरफ को दोषी ठहराया गया था। ये सभी लोग अब प्रतिबंधित किए जा चुके संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसजीपीआई) से जुड़े हुए थे। केरल की अदालत ने इन सभी के खिलाफ सजा तय कर दी है।

अब ऑनलाइन रिजर्वेशन में बच्चों का हाफ टिकट उपलब्ध

नई दिल्ली। रेलवे ने बच्चों के लिए ऑनलाइन रिजर्वेशन टिकट में कुछ बदलाव किया है। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, अब घर बैठे बच्चों के लिए रिजर्वेशन टिकट बुक कर सकते हैं। बच्चों के रेलवे रिजर्वेशन टिकट में ताजा बदलाव की नियमावली जारी कर दी गई है। पहले ऑफलाइन टिकट बुक करना होता था। डायरेक्टर (पीएम) ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की सीट लेने और सीट नहीं लेने पर लिए जाने शुल्क में भी बदलाव नहीं है। एसीएम (आर) हरीश चतुर्वेदी का कहना है कि 1 से 10 वर्ष तक के बच्चों के लिए सीट का पूरा किराया देना होगा। रेलवे के डिप्टी सीसीएम (आर) अतुल श्रीवास्तव और रिजर्वेशन एक्सपर्ट अजय कश्मीरी बताते हैं कि अभी तक 5 से 11 साल तक के बच्चों का आधा टिकट लेने के लिए रेलवे स्टेशन जाना पड़ता था। दरअसल अभी तक अगर रिजर्वेशन कराते समय बच्चों का टिकट बुक नहीं किया और बाद में उनका भी रिजर्वेशन करना है, लेकिन उन्हें अलग से सीट नहीं चाहिए, तो ऐसे में आईआरसीटीसी से ऑनलाइन बुकिंग के बाद बच्चों को आधे किराए पर टिकट बुक करने का कोई प्रावधान नहीं था। तब रेलवे स्टेशन जाकर ही आधा टिकट लिया जा सकता था। लेकिन अब क्रिस ने सॉफ्टवेयर को अपडेट कर दिया है।

बच्चों के लिए क्या हैं नियम?

रेलवे के नियम के अनुसार 1 से 4 साल तक के बच्चे के लिए अलग से रिजर्वेशन कराने की जरूरत नहीं होगी। 5 साल से छोटे बच्चे बिना टिकट के ट्रेन में यात्रा कर सकते हैं। वहीं अगर 5 से 12 साल का बच्चा सफर करता है तो उसके लिए आधी टिकट लेनी होगी। लेकिन अगर आप बच्चे के लिए अलग से बर्थ चाहते हैं तो उसके लिए पूरा किराया देना होगा। टिकिट सीधे आईआरसीटीसी (भारतीय रेलवे की सहायक कंपनी) वेबसाइट पर लॉग इन कर ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग कर सकते हैं।

यूट्यूबर दीपक नागर का कत्ल, अस्पताल में तोड़ा दम

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा के मोहम्मदपुर गुर्जर गांव में घर से बुलाकर दोस्तों ने पहले शराब पार्टी की फिर मारपीट कर यूट्यूबर को घायल कर दिया। जिसके बाद घायल अवस्था में यूट्यूबर को अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां पर उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने गांव के ही 6 आरोपियों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। बता दें कि मोहम्मदपुर गुर्जर गांव में 28 जनवरी की रात में मनीष ने अपने घर पर पार्टी के लिए यूट्यूबर दीपक नागर को बुलाया। जहां पहले शराब पार्टी में सभी ने साथ शराब पी और उसके बाद मनीष व अन्य लोगों ने दीपक के साथ जमकर मारपीट की। मारपीट के बाद गंभीर रुप से घायल दीपक अपने घर पहुंचा। जहां से परिजनों ने तुरंत ही दीपक को अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने क्या बताया?

मामले में पुलिस ने बताया कि मनीष के घर पर पार्टी थी, जिसमें यूट्यूबर दीपक को भी बुलाया गया था। वहां पर उन लोगों ने पार्टी में शराब पी और फिर उसके बाद किसी बात को लेकर आपस में कहासुनी हो गई। लड़ाई में दीपक के सिर में पंच लग गया। घर पहुंचने के 1 से 2 घंटे के बाद दीपक की तबीयत खराब हो गई। उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने पाया कि उसके सिर में ब्लड की क्लॉटिंग हो रही थी जिसके चलते उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई।

भाजपा ने रांची में लगाए सीएम सोरेन के गुमशुदगी के पोस्टर

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस वक्त पूरे देश के लिए चर्चा हो रही हैं। सीएम सोरेन पर ईडी की गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है। वहीं भाजपा ने आरोप लगाया है कि सीएम सोरेन ईडी के डर से कहीं लापता हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर मंगलवार को सीएम सोरेन रांची पहुंचे और दफ्तर में बैठक भी की है। इसी बीच झारखंड के भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को सोरेन पर कटाक्ष कर एक लापता पोस्टर ट्वीट किया, जिसमें मुख्यमंत्री के ठिकाने के बारे में जानकारी देने वालों को 11,000 रुपये का नकद इनाम देने का भी उल्लेख किया गया है। बता दें कि सोमवार को ईडी की टीम ने दिल्ली स्थित हेमंत सोरेन के घर पर रेड मारी थी। सोरेन उस वक्त वहां नहीं मिले लेकिन ईडी ने उनकी बीएमडब्ल्यू कार और लाखों रुपये के कैश को कब्जे में ले लिया है। दूसरी तरफ झारखंड भाजपा ने सोरेन को गुमशुदा घोषित करते हुए पोस्टर जारी कर इनाम का भी ऐलान किया है। मरांडी द्वारा ट्वीट किए गए पोस्टर में सोरेन को 5 फुट 2 इंच के व्यक्ति के रूप में वर्णित किया गया है, जो सफेद शर्ट, काली पतलून और चप्पल पहने हुए है। पोस्टर में दावा किया गया है कि सोरेन 40 घंटे से अधिक समय से लापता थे और उन्हें आखिरी बार रात 2 बजे अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ घूमते देखा गया था।

साइबर सुरक्षा कंपनी ने किया 75 करोड़ भारतीयों के डाटा चोरी का खुलासा

नई दिल्ली। साइबर सुरक्षा कंपनी ने 75 करोड़ भारतीय ग्राहकों के डाटा चोरी का खुलासा किया है। इसके बाद दूरसंचार विभाग ने सर्विस ऑपरेटर से अपने सिस्टम का सिक्योरिटी ऑडिट कराने के लिए कहा है। मिली जानकारी के अनुसार विभाग ने ये निर्देश एक साइबर सुरक्षा कंपनी द्वारा 75 करोड़ भारतीय ग्राहकों की जानकारी में सेंध लगने के दावे के बाद जारी किया है। साइबर सुरक्षा कंपनी क्लाउडसेक के दावे के अनुसार, उसके यूज़र्स ने पाया है कि हैक करने वाले डार्क वेब पर 75 करोड़ भारतीय मोबाइल यूज़र्स से जुड़ी जानकारी (1.8 टेराबाइट) या ब्योरा बेच रहे हैं। हालांकि क्लाउडसेक ने कहा कि हैकर ने किसी भी उल्लंघन में शामिल होने से इनकार किया है और कानूनी रूप से उसने अघोषित स्रोत के माध्यम से आंकड़े प्राप्त करने का दावा किया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार परिचालकों से अपने सिस्टम के सिक्योरिटी ऑडिट कराने को कहा है। हालांकि, अधिकारी ने यह भी कहा कि दूरसंचार परिचालकों ने अनौपचारिक रूप से विभाग को जानकारी दी है कि 'क्लाउडसेक रिपोर्ट में लीक जानकारी का जो दावा किया गया है, वह दूरसंचार ग्राहकों के पुराने आंकड़ों का संकलन लगता है।

अधिकारी ने कहा कि यह उनके सिस्टम में किसी भी तरह की गड़बड़ी या कमजोरी के कारण नहीं है। साइबर सुरक्षा फर्म क्लाउडसेक के शोधकर्ताओं ने पाया कि साइबो क्रू के सहयोगी साइबोडिविल और यूनिट8200 ने हाल ही में बिक्री के लिए एक विशाल 'भारतीय मोबाइल नेटवर्क उपभोक्ता डेटाबेस' का विज्ञापन किया है। इसमें नाम, मोबाइल नंबर, पता और आधार विवरण जैसी महत्वपूर्ण जानकारी शामिल है। सरकारी साइबर सुरक्षा इकाई इंडियन कंप्यूटर एमरजेंसी रेस्पॉन्स टीम से जुड़ी साइबर खुफिया कंपनी ने कहा कि मामला 23 जनवरी को सामने आया। इसके बाद क्लाउडसेक ने संबंधित अधिकारियों और संगठनों को सूचित किया है।

सिर पर गमछा बांध, ठेठ देसी अंदाज में किसानों से मिले राहुल

–खटिया पर बैठकर की बातचीत, मोदी सरकार पर लगाया आरोप

पूर्णिया (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज ठेठ देसी अंदाज में पूर्णिया के किसानों से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने खटिया पर बैठकर बहुत ही आत्मीयता से बातचीत की। बता दें कि इस समय राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा बिहार के पूर्णिया पहुंच गई है। यहां राहुल गांधी का ठेठ देसी अंदाज दिखाई दिया है। सिर पर गमछा बांधे राहुल गांधी ने खटिया पर बैठकर किसानों की बात सुनी और उनकी सभी समस्याओं के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। जानकारी मिली है कि कांग्रेस आज पूर्णिया के रंगभूमि मैदान में बड़ी रैली का भी आयोजन कर रही है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा बिहार के सीमांचल में पहुंच गई है। जहां किसानों से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि किसानों को हर तरफ से घेरा जा रहा है। आपकी जमीन छीनी जा रही है। आपसे जमीन छीन ली जाती है और अडानी जैसे बड़े उद्योगपतियों को उपहार के रूप में दे दी जाती है। राहुल गांधी ने कहा कि दूसरी ओर, जब खाद और बीज की बात आती है तो आप पर दबाव डाला जाता है। और आपका पैसा छीन लिया जाता है। राहुल ने पीएम मोदी के तीन काले कानूनों की भी आलोचना की।

राहुल ने किसानो से कहा कि मोदी जो कानून लाए और आपकी नाक के नीचे, जो आपका था उसे छीनने की कोशिश की। अच्छा हुआ कि देश के सभी किसान इसके खिलाफ खड़े हो गए और वे पीछे नहीं हटे, आपकी जान वापस आ गई नहीं तो आप सब बर्बाद हो गए होते। राहुल गांधी ने कहा कि मुझे लगता है कि किसान देश की रीढ़ हैं लेकिन अरबपतियों के 14 लाख करोड़ रुपये माफ हो गए। अभी किसानों का कर्ज है माफ नहीं किया गया। यहां गौरतलब है कि सीमांचल में अपने गढ़ को मजबूत करने के लिए कांग्रेस आज पूर्णिया के रंगभूमि मैदान में एक बड़ी रैली भी करने वाली है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा, बिहार में महागठबंधन के सहयोगी राजनीतिक दल राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद और सीपीआई (एमएल)-एल के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य को पूर्णिया की रैली में आमंत्रित किया गया है।

चंडीगढ़ में आप-कांग्रेस को पटखनी देकर भाजपा ने जीता मेयर चुनाव

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के दखल के बाद मंगलवार को चंडीगढ़ में मेयर पद के लिए चुनाव हुआ। चुनाव में कांग्रेस-आप के आठ वोट खराब हो गए, इस कारण बीजेपी का उम्मीदवार जीत गया है, जबकि आप-कांग्रेस के प्रत्याशी की हार हुई है। इस चुनाव को इंडिया ब्लॉक का लिटमस टेस्ट माना जा रहा था। इसके बाद पहले ही टेस्ट में इंडी गठबंधन को हार मिली है। बीजेपी को चड़ीगढ़ के मेयर चुनाव में 16 वोट मिले हैं, जिसके बाद बीजेपी प्रत्याशी मनोज सोनकर की जीत हो गई। वहीं कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी को सिर्फ 12 वोट मिले हैं। दरअसल कांग्रेस के पास 7 वोट थे, जबकि आप के पास 13 वोट थे। इसमें से 8 वोट निकिष्य हो गए हैं। चंडीगढ़ में नगर निगम चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार की जीत हो गई है।

जब तक जीवित हूं, बंगाल में सीएए लागू नहीं होने दूंगी: ममता बनर्जी

रायगंज (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव से पहले सीएए का मुद्दा उठाने के लिए मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि वह अपने जीवनकाल में राज्य में इसे लागू नहीं होने देंगी। उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लाभ लेने के लिये आगामी चुनावों से पहले नागरिकता (संशोधन) अधिनियम यानी सीएए का मुद्दा उठाया है।

बनर्जी ने कहा, चुनाव नजदीक आते देख, भाजपा ने राजनीतिक लाभ लेने के लिए फिर से सीएए का मुद्दा उठाया है। लेकिन मैं यह स्पष्ट कर दूं कि

जब तक मैं जीवित हूं, पश्चिम बंगाल में इसे लागू नहीं होने दूंगी। बनर्जी ने केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता शांतनु ठाकुर के हालिया दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही है। ठाकुर ने कहा था कि पूरे देश में एक सप्ताह के अंदर सीएए लागू किया जाएगा।

रविवार को दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप में एक जनसभा के दौरान दिए गए ठाकुर के बयान ने विवादास्पद कानून को लागू किए जाने को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में सीएए को मंजूरी दी थी। कानून में 31 दिसंबर 2014 से पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों सहित प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान है।

देश में असली मुद्दा बेरोजगारी और मंहगाई : प्रियंका गांधी वाड्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास देश के सबसे बड़े मुद्दे बेरोजगारी का कोई समाधान नहीं है और 'मोदी की गारंटी' जैसी बातें ''सिर्फ जुमला हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने वीडियो भी साझा किया जिसमें बड़ी संख्या में लोग इजराइल में नौकरी पाने के मकसद से कतारबद्ध नजर आ रहे हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, अगर कहीं पर युद्ध के हालात हैं, तब सबसे पहले हम अपने नागरिकों को वहां से बचाकर, वापस अपने वतन लाते हैं, लेकिन बेरोजगारी ने आज ये हाल कर दिया है कि देश की सरकार हजारों असहाय और मजबूर युवाओं को युद्धग्रस्त इजराइल जाकर ये खतरा उठाने से भी बचा नहीं रही।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, यहां, अपने देश में इन्हें रोजगार क्यों नहीं मिल रहा? लंबी-लंबी कतारों में दो-दो दिनों से खड़े युवा क्या हमारे देश के बच्चे नहीं हैं कि हम इन्हें खुशी से इतने भयानक युद्ध के बीच भेजने को तैयार हैं? उन्होंने कहा, गौर कीजिए, कितनी चालाकी से मोदी सरकार इस देश के युवाओं का व्यक्तिगत मसला बना रही है! प्रियंका गांधी ने सवाल किया कि सरकार की इसमें क्या भूमिका है?

उन्होंने सवाल किया कि भारत सरकार ने इजराइल को भारतीय युवाओं की बलि लेने की स्वीकृति किस आधार पर दी है? उन्होंने कहा, ''हमारे इन युवकों के जान-माल की रक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा? भगवान न करे अगर किसी के साथ कोई दुर्घटना हो गई तब किसकी जिम्मेदारी होगी? उन्होंने कहा, आज भारत का असली मुद्दा बेरोजगारी और महंगाई है। भाजपा सरकार के पास इसका कोई हल नहीं है। देश के युवा अब यह बात समझ रहे हैं।

संसद के बजट सत्र से पहले सभी निलंबित सांसद होंगे बहाल

नई दिल्ली। पिछले सत्र के निलंबित सांसदों के लिए खुशखबरी है कि अब सभी निलंबित सांसदों को सत्र से पहले बहाल कर दिया जाएगा। बता दें कि संसद का बजट सत्र कल से शुरू होने वाला है। इस सत्र से ठीक पहले सभी निलंबित सांसदों का निलंबन रद्द कर दिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, निलंबित सांसदों के निलंबन को रद्द करने के बारे में पूछे जाने पर संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा, 'सभी (निलंबन) रद्द किए जाएंगे। मैंने (लोकसभा) अध्यक्ष और (राज्यसभा) सभापति से बात की है, मैंने उनकी ओर से भी अनुरोध किया है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा, 'यह अध्यक्ष और सभापति के क्षेत्राधिकार में आता है। इसलिए, हमने उन दोनों से अनुरोध किया है कि वे संबंधित विशेषाधिकार प्राप्त समितियों से बात करें, निलंबन रद्द करें और उन्हें सदन में आने का अवसर दें। दोनों इस पर सहमत हो गए। उन्होंने कहा कि निलंबित सांसद कल से सदन में भी आएंगे। बता दें कि लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले, 31 जनवरी से आरंभ हो रहे संसद के बजट सत्र के मद्देनजर सरकार ने मंगलवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें विभिन्न दलों के नेता शामिल हुए। रक्षा मंत्री और लोकसभा में सदन के उपनेता राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी और संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बैठक में सरकार का प्रतिनिधित्व किया। संसद भवन परिसर में हुई इस बैठक में उपस्थित नेताओं में कांग्रेस के नेता कोडिकुनिल सुरेश, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता टी आर बालू, शिवसेना के राहुल शेवाले, समाजवादी पार्टी के नेता एस टी हसन, जनता दल (यूनाइटेड) के नेता राम नाथ ठाकुर और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के जयदेव गल्ला शामिल थे।

बजट सत्र से पहले सरकार ने कहा, हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार ने मंगलवार को विभिन्न दलों के नेताओं से कहा कि वह संसद के आगामी बजट सत्र में हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है। बजट सत्र की पूर्व संध्या पर मोदी सरकार द्वारा बुलाई गई पारंपरिक सर्वदलीय बैठक से बाहर निकलते हुए, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार संक्षिप्त सत्र के दौरान हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है।

मालूम हो कि संसदीय चुनावों की घोषणा से पहले यह मौजूदा लोकसभा का आखिरी सत्र होगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री और लोकसभा में उपनेता राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी और उपनेता अर्जुन राम मेघवाल ने बैठक में सरकार का प्रतिनिधित्व किया। संसद भवन परिसर में बैठक में उपस्थित नेताओं में कांग्रेस के के सुरेश, टीएमसी के सुदीप बंदोपाध्याय, डीएमके के टीआर बालू, शिवसेना के राहुल शेवाले, समाजवादी पार्टी के एसटी हसन, जेडी (यू) के रामनाथ ठाकुर और टीडीपी के जयदेव गल्ला शामिल थे।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि उन्होंने असम में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हिंसक हमले और राज्य सरकार के प्रतिबंधों का मुद्दा उठाया।

कांग्रेस नेता तिवारी ने कहा कि देश में अलिखित तानाशाही कायम है। उन्होंने केंद्र सरकार पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद जैसे विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए सीबीआई और ईडी जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप भी लगाया। तिवारी ने कहा कि उन्होंने विपक्षी दलों से सलाह के बाद ये मुद्दे उठाए हैं।

वीआईपी के बच्चों की पढ़ाई सरकारी स्कूल और परिवार का इलाज -सरकारी अस्पताल में अनिवार्य होना चाहिए: वरुण गांधी

पीलीभीत(एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद वरुण गांधी ने जनता से जुड़ा महत्वपूर्णमुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा है कि ऐसा कानून बनाना चाहिए जिसमें कोई भी वीआईपी अपने बच्चे को सरकारी स्कूल में पढ़ाने को मजबूर हो जाए। जबकि परिवार को जब भी इलाज की जरुरत हो तो सरकारी अस्पताल में ही कराना पड़े। इस तरह का सख्त कानूना बनेगा तो सरकारी स्कूल हो या अस्पताल खुद व खुद सुधर जाएगे। वीआईपी को भी पता चलेगा कि किन मुश्किलों के साथ आम आदमी को इलाज और शिक्षा मिल पा रही है।

वरुण गांधी ने कहा कि गांव के भीतर जो लोग अस्पतालों में इलाज के लिए जाते है, उनसे कहा जाता है आप बेहतर इलाज के लिए लखनऊ, दिल्ली जाइए। मैंने कहा इसका इलाज बहुत जल्दी हो सकता है। शिक्षा और स्वास्थ्य का मामला है। उसको लेकर सांसद, विधायक, डीएम, एसपी और सभी वीआईपी के लिए सरकारी स्कूल में पढ़ाने व सभी के परिवार के इलाज सरकारी अस्पताल में कराए जाने का सरकार कानून बना दे तो सभी सिस्टम अपने आप सुधर जाएगा। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को अफसरों के सामने झुककर और डरते हुए शिकायत करना होती है। जबकि महात्मा गांधी और नेता सुभाषचंद्र बोस कहते थे कि देश आजाद होने के बाद आम जनता को किसी के आगे झुककर शिकायत नहीं करना पड़ेगी।वरुण गांधी ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, शहीद भगत सिंह, चंद्र शेखर आजाद से लेकर जहां एक दौर क्रांति नेतृत्व का था, लेकिन धीरे-धीरे आज देश में एक ऐसा नेतृत्व आया है जो अब देश की चिंता के साथ नेता अपनी चिंता भी करने लगे है। जो आज कल राजनिति में आ रहे है, वो अपना हित कर रहे है।

आज देश को ऐसे नेता की जरूरत है जो ईमानदार हो।आज एक ऐसा भारत बनना चाहिए, जिसमें ऐसी भावना हो कि सबका हिस्सा हो और सबके सपनों की कीमत एक हो। वरुण गांधी ने कहा कि आजादी के समय महात्मा गांधी ने कहा था कि हिंदुस्तानियों को कभी भी किसी के सामने झुकना नहीं पड़ेगा। लेकिन यह आज सच साबित नहीं होता, क्योंकि आज इस आजाद देश में जब आप किसी पुलिस स्टेशन या अधिकारी के सामने जाते हैं तो अपने काम के लिए लोगों के आगे झुकना पड़ता है। जब हम अपनी बात झुक कर रखेंगे तो मैं यह पूछता हूं कि इस देश में नई व्यवस्था में नए राजा और अंग्रेज कहां से आ गए। मैं ऐसा देश देखना चाहता हूं कि आदमी अपनी बात बिना डर के रखे। इतने सारे लोग वरुण गांधी का कभी न कभी विरोध करते है, क्या कभी गांधी परिवार ने रंजिश के साथ से काम किया? क्या हमने दुश्मनी किसी के साथ निकाली? क्या हमने किसी पर केस लगवाया या किसी को हमने उठवाया? हमने कहा कि पीलीभीत मेरा परिवार है और हम उसके मुखिया है।

राजस्थान के स्कूलों में हिजाब पर लग सकता है प्रतिबंध, राज्य में चढ़ा सियासी पारा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में हिजाब को लेकर सियासी घमासान शुरु हो गया है। वजह ये है कि भाजपा विधायक ने एक स्कूल में दो तरह के बच्चे दिखाई देने पर कहा था कि कुछ हिजाब में और कुछ बिना हिजाब के। इससे स्कूल के ड्रेस कोड के कोई मायने नहीं रह जाते है। इसी बात पर मुस्लिम छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन कर दिया और संभावनाएं जताई जाने लगीं कि स्कूलों में हिजाब को प्रतिबेंधित किया जा सकता है। बीजेपी विधायक बालमुकुंद आचार्य के खिलाफ मुस्लिम छात्राओं की ओर से किए प्रदर्शन के बाद भजनलाल सरकार के मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा भी इस मामले में मुखर हो गए हैं। उन्होंने विधायक आचार्य के तर्क का समर्थन किया है। वहीं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी शिक्षा विभाग से इस पर रिपोर्ट मांगी है।

दिलावर ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से मंगलवार दोपहर तक रिपोर्ट मांगी है कि किन किन राज्यों के स्कूलों में हिजाब पर बैन है। इस बारे में पूरी जानकारी मांगी गई है।कैबिनेट मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा ने हिजाब पर प्रतिबंध की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि वे इस बारे में सीएम भजनलाल से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी स्कूलों में समान ड्रेस कोड होना चाहिए। हिजाब का समर्थन करने वाली ताकतें नहीं चाहती कि मुस्लिम समुदाय के बच्चे शिक्षित बनें। उन्होंने कहा कि मुसलमानों का डीएनए हिंदुस्तानी है। मुगल आक्रांताओं के साथ हिजाब और बुर्का भारत में आया था। आज मुस्लिम देशों में भी कई जगह हिजाब प्रतिबंधित है। हिजाब को लेकर जयपुर में उपजे इस विवाद के बाद सोमवार को मुस्लिम छात्राओं ने सुभाष चौक थाने का घेराव कर जबर्दस्त प्रदर्शन किया था। इस दौरान बड़ी संख्या में उनके परिजन और मुस्लिम समुदाय के अन्य लोग भी मौजूद थे। प्रदर्शन के बाद पुलिस प्रशासन ने इस मामले में छात्राओं को 2 दिन का आश्वासन दिया है। स्कूली छात्राओं की मांग है कि हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य इस मामले में माफी मांगें। छात्राओं का आरोप है कि उनके स्कूल के वार्षिक उत्सव में आए विधायक ने उनसे हिजाब को लेकर बातें की। वहीं उन्होंने धार्मिक नारे भी लगवाए। वे ये बर्दाश्त नहीं करेंगी। बाद में इस मामले में विधायक बालमुकुंद आचार्य ने बयान देते हुए कहा कि उनको स्कूल में दो तरह का माहौल नजर आया था। एक हिजाब में और दूसरा बिना

हिजाब के। उन्होंने तर्क दिया कि स्कूल का ड्रेस कोड तय है तो बच्चों को उसका पालन करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हो रहा है तो फिर हमारे बच्चे भी अलग अलग कलरफुल ड्रेस या फिर लहंगा चुन्नी पहनकर आएंगे तो स्कूल कैसे चलेगा।

टी20 प्रारुप में खेला जाएगा एशिया कप

यूएई ओर ओमन मेजबानी की दौड़ में शामिल

मुम्बई ।

अगले साल 2025 में होने वाला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट टी20 प्रारुप में खेला जाएगा। वहीं पिछ्ला एशिया कप एकदिवसीय प्रारुप में खेला गया था जिससे कि एकदिवसीय विश्वकप के लिए खिलाड़ियों को अनुभव मिल सके। पिछ्ली बार एशिया कप पहले पाकिस्तान में खेला जाना था पर अंत में इसे संयुक्त रुप से पाक और श्रीलंका में आयोजित किया गया था। इस बार इसकी मेजबानी ओमान और यूएई में से किसी एक को मिल सकती है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने टी20 विश्व कप 2026 की बेहतर तैयारी के लिए इस आयोजन को टी20 प्रारूप में ही खेलने का फैसला किया है। एसीसी की आगामी वार्षिक आम बैठक में इस पर फैसला होगा। यह बैठक इंडोनेशिया के बाली में दो दिनों में होगी। वहीं टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए यूएई और ओमान से बात हो रही है। पांच साल में दूसरी बार एशिया कप टी20 प्रारुप में खेला जाएगा। एशिया कप में भारतीय टीम हमेशा ही हावी रही है और उसने अब तक 8 बार खिताब जीता है। वहीं श्रीलंका ने 6 बार जबकि पाक ने दो बार जीत दर्ज की है।

सूरज पंवार ने 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में पेरिस 2024 क्वालीफाइंग मार्क हासिल किया

चंडीगढ़

उत्तराखंड के सूरज पंवार ने मंगलवार को यहां इंडियन ओपन रेस वॉकिंग प्रतियोगिता में पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग मानक हासिल कर लिया है। पंवार ने एक घंटा, 19 मिनट और 43 सेकेंड (1:19:43.08) का समय निकालकर रजत पदक जीता। पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल का क्वालीफाइंग मानक 1:20:10 है। पिछले साल पेरिस क्वालीफिकेशन हासिल करने वाले अक्षदीप सिंह ने 1:19:37.56 के समय के साथ अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया, और 1:19:55.00 सेकेंड के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर बनाया, जो उन्होंने पिछले साल फरवरी में नेशनल के दौरान बनाया था। सर्विन ने मंगलवार को 1:20:29 के समय के साथ कांस्य पदक जीता और पेरिस 2024 के लिए प्रवेश मानक को तोड़ने से चूक गए।

23 वर्षीय आकाशदीप, विकास सिंह और परमजीत बिष्ट के बाद पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए प्रवेश मानक को तोड़ने वाले चौथे भारतीय हैं। लेकिन पेरिस 2024 में एक कार्यक्रम में एक देश में केवल तीन रेसवॉकर हो सकते हैं और अब एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) को इस पर अंतिम फैसला करना है कि चार में से कौन पेरिस जाएगा। इस बीच,

महिलाओं की स्पर्धा में पंजाब की मंजू रानी ने 1:34:16.67 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। पायल (1:34:45.10) और मुनिता प्रजापति (1:35:36.16) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते।35 किमी पुरुष और महिला दौड़ बुधवार को आयोजित की जाएगी।

भारत की पुरुष और महिला बैडमिंटन टीमों को चीन के साथ एक ही समूह में रखा गया

नई दिल्ली,

एकल में एचएस प्रणय की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष टीम और युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जबरदस्त जोड़ी को एक चुनौतीपूर्ण ड्रा में आगामी बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के लिए हांगकांग और एशियाई पावरहाउस चीन के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। चैंपियनशिप का पांचवां संस्करण 13-18 फरवरी, 2024 तक शाह आलम, मलेशिया में होने वाला है। केवल शीर्ष दो टीमों के नॉकआउट चरण में पहुंचने के साथ, भारत को उस समूह में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है जिसमें क्षेत्र के सबसे मजबूत बैडमिंटन राष्ट्र में से कुछ शामिल हैं इसी तरह, प्रतिष्ठित पी.वी सिंधु की कप्तानी वाली भारतीय महिला टीम को चीन के साथ ग्रुप डब्ल्यू में रखा गया है। पुरुषों के समूह के विपरीत, महिलाओं के समूह में केवल दो टीमें शामिल हैं, जिससे भारत और चीन दोनों को नॉकआउट चरण में जगह मिल गई है। फ्रेंच ओपन में लगी चोट के कारण लगभग तीन महीने तक बाहर रहीं सिंधु इस टूर्नामेंट से वापसी करेंगी। महिला टीम में अश्विनी पोनप्पा, गायत्री गोपीचंद और नवोदित अनमोल खरब जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप प्रतिष्ठित थॉमस कप (पुरुष टीम विश्व कप) और उबेर कप (महिला टीम विश्व कप) के लिए क्वालीफायर के रूप में काम करती है। पोडियम फिनिश का लक्ष्य रखने वाली भारतीय टीमों के पास पिछले संस्करण से अपने प्रदर्शन को बेहतर करने का मौका है, जहां पुरुष और महिला दोनों टीमें ग्रुप चरण में बाहर हो गई थीं। अपने थॉमस कप खिताब का बचाव करने की कोशिश कर रही पुरुष टीम के पास प्रणय, सात्विक और चिराग की मजबूत लाइनअप है। इस बीच, महिला टीम अपने पिछले क्वार्टरफाइनल को पार करना चाहती है। अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं के मिश्रण के साथ, भारत चैंपियनशिप के इस संस्करण में उत्कृष्ट प्रदर्शन का लक्ष्य रखेगा। बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप भारतीय उस्ताद पी.वी सिंधु के लिए विशेष महत्व रखती है, जो चोट के कारण हुए अंतराल के बाद प्रतिस्पर्धी प्रतिस्पर्धा में लौट आई हैं। सिंधु का नेतृत्व, टीम की गहराई के साथ मिलकर, भारत के

लिए महाद्वीपीय बैडमिंटन मंच पर अपनी छाप छोड़ने और 2024 में एक सफल अभियान की नींव रखने का अवसर प्रस्तुत करता है।

भारतीय टीम ने इंग्लैंड को ज्यादा ही आजादी दे दी : पनेसर

ल्यूटन ।

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ मिली जीत काफी बड़ी है और इसी ने भी इसकी कल्पना नहीं की थी। पनेसर के अनुसार भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा को भी इसका अंदेशा नहीं था। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि अब आने वाले मैचों में भारतीय टीम को मेहमान टीम को अधिक आजादी नहीं देनी होगी। उन्होंने माना कि विराट कोहली टीम में होते तो वह उनकी टीम के लिए जीत दर्ज करना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड टीम अब भी आगामी चार टेस्ट मैचों में असफलता के डर के साथ खेलेगी। मोंटी ने कहा कि इंग्लैंड की टीम हार से नहीं डरती, अगर वे हारते हैं तो भी नहीं डरते। इसलिए अगले चार मैचों में भी वे असफल होने से डरे बिना खेलेंगे। यह एक बहुत बड़ी जीत है, किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि यह संभव होगा। सभी ने सोचा था कि इंग्लैंड 190 रनों से पीछे होन के बाद हार जाएगा पर ओली पोप ने शानदार पारी खेलकर बाजी पलट दी। ये सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक थी और रोहित इसका अंदाज नहीं लगा पाये थे। उन्होंने आगे कहा कि इंग्लैंड की भारत पर पहले टेस्ट मैच में 28 रनों की जीत से ऐसा लगा जैसे उन्होंने विश्व कप जीत लिया हो। यह इंग्लैंड की विदेश में अब तक की सबसे बड़ी जीतों में से एक थी। यह इंग्लैंड में एक बड़ी खबर है। ऐसा लगता है जैसे हमने विश्व कप जीत लिया है। इस स्पिनर ने कहा कि मेहमान टीम भारतीय क्रिकेटरों को देखकर सीख रही है। उन्होंने साथ ही कहा कि इंग्लैंड टीम ने भारत की कमजोरियों को देखा है और इसी कारण उन्हें समझ आया कि उन्होंने मेजबान टीम को कैसे हराया जाये। मोंटी ने कहा कि मुझे लगता है कि इंग्लैंड एक ऐसी टीम है जो भारत से सीख रही है, वे भारत को देखते हैं, वे देखते हैं कि गेंदबाज कैसे गेंद डालते हैं, वे देखते हैं कि वे कैसे बल्लेबाजी करते हैं और उनकी शारीरिक भाषा कैसी है। वे भारतीय टीम में किसी भी कमजोरी को देखते हैं और फिर वे समझना शुरू करते हैं कि वे क्या कर रहे हैं।

घरेलू क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले सरफराज अब अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में उतरेंगे

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए शामिल

मुम्बई ।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय टीम की हार के साथ ही दो खिलाड़ी भी चोटिल हो गये। ऐसे में दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में बदलाव करते हुए घरेलू क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज सरफराज खान को शामिल किया गया है। भारतीय टीम पहले टेस्ट में हार के कारण सीरीज में 1-0 से पीछे है। भारतीय टीम में पहला टेस्ट हारने के बाद बड़े बदलाव किए गए हैं पर ये ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और केएल राहुल के चोटिल होने की वजह से करने पड़े हैं। जडेजा और राहुल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। ऐसे में उनकी जगह पर चयनकर्ताओं ने वाशिंगटन सुंदर और सरफराज खान के नाम की घोषणा की है। वहीं आवेश खान को पिछ्ले दिनों बाहर कर दिया गया था। इसलिए उनके स्थान पर सौरव कुमार को टीम में जगह दी गई है.

सरफराज का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकार्ड रहा है। उन्होंने इसमें जमकर रन बनाये हैं। ऐसे में चयनकर्ताओं ने उन्हें दूसरे टेस्ट मैच के लिए अवसर दिया है। इससे पहले इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ खेली जा रही अनाधिकृत टेस्ट सीरीज में सरफराज ने 161 रन की शानदार पारी खेली थी। गौरतलब है कि 2020 रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ मुंबई की तरफ से खेलते हुए सरफराज ने 301 रन बनाये थे।

डब्ल्यूटीए मुंबई ओपन में 31 देशों की खिलाड़ी भाग लेंगी

मुंबई,

महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन (एमएसएलटीए) और क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) द्वारा आयोजित मुंबई ओपन टेनिस चैंपियनशिप में 31 देशों की खिलाड़ी एक्शन में नजर आएंगी, जो छह साल के अंतराल के बाद टेनिस कैलेंडर में लौट आया है। यह डब्ल्यूटीए मुंबई ओपन का तीसरा संस्करण है, जिसमें दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका (2017) और थाईलैंड की लुक्सिका कुमखुम (2018) सहित पिछले एकल चैंपियन शामिल हैं। टूर्नामेंट के तीसरे संस्करण में एक रोमांचक लाइन-अप में एकल में तीन शीर्ष 100 खिलाड़ी और युगल स्पर्धा में छह शीर्ष 100 खिलाड़ी शामिल होंगे, जो डब्ल्यूटीए .125च श्रृंखला का एक हिस्सा है। टूर्नामेंट क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में नवनिर्मित टेनिस कोर्ट पर खेला जाएगा। क्वालीफाइंग मैच 3 और 4 फरवरी से खेले जाएंगे जबकि मुख्य ड्रॉ की कार्रवाई 5 फरवरी से शुरू होगी। फाइनल 11 फरवरी को खेला जाएगा। अमेरिकी कायला डे, 2016 यूएस ओपन गर्ल्स सिंगल्स चैंपियन और विश्व नंबर 82, जापान की नाओ हिबिनो, तीन डब्ल्यूटीए टूर एकल खिताब के विजेता और पूर्व फ्रेंच ओपन सेमीफाइनलिस्ट तमारा जिदानसेक, 97 वें स्थान पर हैं, के साथ 32-खिलाड़ियों के क्षेत्र का नेतृत्व करेंगी। मैदान में अन्य खिलाड़ियों में अमेरिकी केटी वोलिनेट्स, ऑस्ट्रेलियाई अरीना रोडियोनोवा और किम्बर्ली बिरेल और ब्राजील की लौरा पिगोसी शामिल हैं। सोलह वर्षीय रूसी अलीना कोर्नीवा, जो पिछ्ले साल दुनिया में शीर्ष क्रम की जूनियर थीं, और लड़कियों का एकल खिताब जीतने के सिर्फ 12 महीने बाद 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन महिला एकल स्पर्धा के तीसरे दौर में पहुंचीं, भी इसमें नजर आएंगी। भारत की शीर्ष क्रम की युगल खिलाड़ी प्रार्थना थोम्बारे और डच जोड़ीदार एरियन हार्टोनो को युगल स्पर्धा में सीधा प्रवेश है। आने वाले दिनों में टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड की घोषणा होने की उम्मीद है। संजय खंडारे और प्रवीण दराडे, दोनों आईएएस और आयोजन समिति के सदस्यों ने कहा, हम कुछ वर्षों के अंतराल के बाद विश्व स्तरीय टेनिस को मुंबई में वापस लाकर खुश हैं। डब्ल्यूटीए मुंबई ओपन ने अतीत में कुछ बड़े नामों और उभरते सितारों को आकर्षित किया है, जिसमें दो बार की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका भी शामिल हैं, जिन्होंने 2017 में यहीं मुंबई में अपना पहला डब्लूटीए .125च खिताब जीता था। उन्होंने जोड़ा, ÷हमारे पास इस साल भी एक मजबूत क्षेत्र है, जिसमें कायला डे, नाओ हिबिनो

और तमारा जिदानसेक के साथ-साथ उभरती हुई रूसी अलीना कोर्निवा भी शामिल हैं। हमें उम्मीद है कि मुंबई में टेनिस प्रशंसक खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए झुंड में आएंगे।

संक्षिप्त समाचार

जडेजा और राहुल की कमी पूरी करना टीम इंडिया के लिए होगा मुश्किल

मुम्बई । रविंद्र जडेजा और केएल राहुल के चोटिल होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। राहुल और जडेजा ने पहले टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया था। ये दोनो ही टीम के अहम खिलाड़ी हैं। ऐसे में इनकी कमी पूरी करना भारतीय टीम के लिए मुश्किल होगा। जडेजा को हैमस्ट्रिंग की चोट लगी है जबकि राहुल को दाहिने जांघ की मांसपेशी में दर्द है जबकि विराट कोहली निजी कारणों से इस मैच से बाहर हैं। ऐसे में विशाखापत्तनम में शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की राह आसन नहीं रहेगी। चयनकर्ताओं ने दूसरे टेस्ट के लिए सरफराज खान, सौरभ कुमार और वॉशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया है। वहीं रजत पाटीदार को इस मैच में राहुल की जगह बल्लेबाजी के लिए उतारा जा सकता है। वहीं जडेजा की जगह कुलदीप यादव को उतारे जाने की संभावना है। भारतीय टीम इस मैच में चार स्पिनरों और एक तेज गेंदबाज के साथ भी उतर सकती है। ऐसे में मोहम्मद सिराज की जगह कुलदीप को रखा जा सकता है। वहीं सरफराज या वॉशिंगटन सुंदर को मध्यक्रम में उतारा जा सकता है। हैदराबाद के एसीए वीडीसीए स्टेडियम पर अब तक दो टेस्ट खेले गए हैं और पिच बल्लेबाजों की सहायक रही है। दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले का मानना है कि अंतिम एकादश में कुलदीप को जगह मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर भारत को लगता है कि सिर्फ एक तेज गेंदबाज से काम चल जाएगा तो कुलदीप को टीम में रखना चाहिए। उसके पास विविधता है और विकेट टर्न ले सकता है। वहीं वॉशिंगटन सुंदर भी चयन के दावेदार हैं। पूर्व चयनकर्ता शरणदीप सिंह ने कहा कि हरफनमौला उपयोगी होता है लेकिन अंतिम एकादश में ज्यादा छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, 'रजत पाटीदार को राहुल की जगह और जडेजा की जगह कुलदीप को उतारा जा सकता है।

हरभजन ने कहा टर्निंग पिच भारतीय टीम पर पड़ सकती हैं भारी

नई दिल्ली । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम को आगाह किया है। हरभजन ने कहा कि भारत के लिए टर्निंग पिच बनाना नुकसानदेह भी साबित हो सकता है। इससे उसे इंग्लैंड से हार का सामना भी करना पड़ सकता है। हरभजन ने कहा, टीम अच्छी दिखाई दे रही है। उसके पास रोहित शर्मा जैसा बल्लेबाज है, इसके अलावा युवा बल्लेबाज भी हैं, ऐसे में अगर पिच अच्छी हुई तो वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे पर मुझे डर है कि भारतीय टीम टर्निंग पिच के कारण न हार जाये। भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट के लिए जो बदलाव किए हैं वह खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण किये गये हैं। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और केएल राहुल चोटिल होने के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह पर चयनकर्ताओं ने वाशिंगटन सुंदर और सरफराज खान को रखा है। इंग्लैंड की टीम पहले मैच को जीतकर सीरीज में 1-0 से आगे होने के कारण भी बढ़े हुए मनोबल के साथ दूसरे टेस्ट में उतरेगी। यह मुकाबला विशाखापट्टनम में खेला जाएगा।

दीप्ति आईसीसी रैंकिंग में संयुक्त रुप से दूसरे स्थान पर पहुंची

आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष दस में दो भारतीय महिला क्रिकेटर शामिल

दुबई ।

भारतीय महिला क्रिकेटर दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में पाकिस्तान की सादिया इकबाल के साथ ही संयुक्त रुप से दूसरे स्थान पर पहुंच गयी हैं। दीप्ति को हाल में किये अच्छे प्रदर्शन के कारण एक पायदान का लाभ हुआ है। वहीं भारत की ही रेणुका सिंह भी शीर्ष दस में शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर नोंकुलुलेको एमलाबा को तीन स्थान का नुकसान हुआ है और वह दूसरे से गिरकर पांचवें स्थान पर फिसल गयी हैं। पाकिस्तान की सादिया भी दीप्ति के साथ ही संयुक्त रुप से दूसरे स्थान पर है जबकि इंग्लैंड की सारा ग्लेन को चौथा स्थान मिला है। स्पिनर सोफी एक्सेलेटन शीर्ष पर बनी हुई हैं। ऑलराउंडरों में दीप्ति चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। ऑलराउंडरों की रैकिंग में शीर्ष दस में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं बल्लेबाजों में भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना चौथे, जेमिमा रौड्रिग्स 13वें, शेफाली वर्मा 16वें और हरमनप्रीत कौर 17वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ नंबर एक पर बनी हुई है जबकि उनकी ही साथी खिलाड़ी ताहलिया मैकग्रा दूसरे स्थान पर हैं।

ऋषभ ने हादसे के दर्द भरे अनुभवों को याद किया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत गत वर्ष हुए कार हादसे से अब उबर गये हैं और फिटनेस हासिल करने के लिए जिम में भी अभ्यास में लग गये हैं। ऋषभ के आईपीएल सत्र से खेल में वापसी की उम्मीदें हैं। वहीं एक कार्यक्रम के दौरान ऋषभ ने उस घटनाक्रम को याद करते हुए कहा कि हादसे के दौरान कुछ पल के लिए मुझे ऐसा लगा था कि अब मेरा समय दुनिया में समाप्त हो गया है। उस हादसे में इस क्रिकेटर को गंभीर चोटें आई थीं। उनके दाहिने घुटने का लिगामेंट भी फट गया था जिसके लिए दो बार सर्जरी हुई थी। इस क्रिकेटर ने उस दर्द भरे अनुभव के बारे में बताया है जिसमें उनकी जान जाते-जाते बची थी। इसमें उन्होंने साल 2022 के अंत में हुई घातक कार दुर्घटना को याद करते हुए कहा कि जीवन में पहली बार मुझे ऐसा लगा जैसे इस दुनिया में मेरा समय अब समाप्त हो गया है। दुर्घटना के दौरान मुझे घावों के बारे में पता था पर मैं भाग्यशाली था क्योंकि यह और भी गंभीर हो सकता था। मुझे लगा कि किसी ने मुझे बचा लिया है। अस्पताल में मैंने जब डॉक्टर से पूछा कि मुझे ठीक होने में कितना समय लगेगा, तो उसने कहा कि करीब डेढ़ साल। मुझे पता था कि मुझे इस रिकवरी समय को कम करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

ब्राजील फुटबॉल परिसंघ हस्तक्षेप को रोके : फीफा

रियो डी जनेरियो । ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) पर निलंबन का खतरा मंडरा रहा है। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने कहा है कि सीबीएफ को अपनी फुटबॉल संस्था में हस्तक्षेप को रोकना होगा। साथ ही कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो उसे निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। फीफा के अनुसार अगले साल की शुरुआत में ही नए अध्यक्ष का चुनाव होता है तो वह ब्राजील की राष्ट्रीय टीमों और क्लबों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से निलंबित कर सकता है। फीफा ने ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) से कहा है कि अगर उसने इंतजार करने की उसकी अपील पर ध्यान देने की जगह एडनाल्डो रोड्रिग्स की जगह नए अध्यक्ष का चयन जल्दबाजी में किया तो उसे निलंबित किया जा सकता है। गौरतलब है कि रियो डी जनेरियो की एक अदालत ने पिछ्ले साल फुटबॉल संस्था के चुनाव में अनियमितताओं के कारण ही रोड्रिग्स और सीबीएफ में उनके द्वारा नियुक्त सभी लोगों को सात दिसंबर को पद से हटा दिया था। ब्राजील की ही दो शीर्ष अदालतों ने पिछ्ले सप्ताह इस फैसले को बनाये रखा। फीफा अपने सदस्य संघों के कामकाज में सरकार या किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के पक्ष में नहीं रहता है और इसलिए ब्राजील के फुटबॉल संघ पर निलंबन का खतरा मंडरा रहा है।

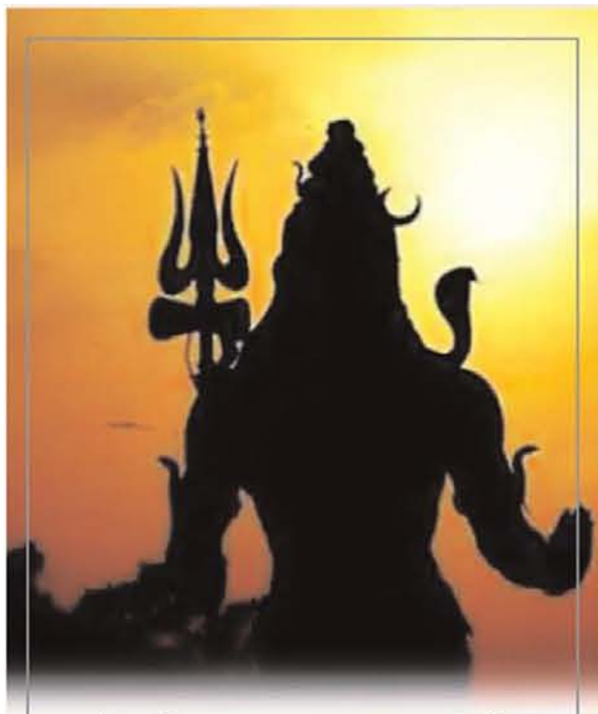

जो निरंतर नया है, वही परमात्मा है

अध्यात्मवादी और भौतिकवादी में एक ही फर्क है। अध्यात्मवादी रोज अपने को नया करने की चिंता में संलग्न है, क्योंकि उसका कहना यह है कि अगर मैं नया हो गया तो इस जगत में मेरे लिए कुछ भी पुराना न रह जाएगा। क्योंकि, जब मैं ही नया हो गया तो पुराने का स्मरण करने वाला भी न बचा, हर चीज नई हो जाएगी। और, भौतिकवादी कहता है कि चीजें नई करो, क्योंकि स्वयं के नए होने का तो कोई उपाय नहीं है। सब नया कर लो, लेकिन अगर आदमी पुराना है और चीजों को पुराना करने की तरकीब उसके भीतर है, तो वह सब चीजों को पुराना कर ही लेगा। फिर हम इस तरह धोखे पैदा करते हैं। चाहिए ऐसा कि रोज नया चित्त हो सके। कैसे हो सकता है, यह थोड़ी सी बात मैं आपसे करूं। तब नया साल न होगा, नया दिन न होगा; नए आप होंगे। और तब कोई भी चीज पुरानी नहीं हो सकती। जो आदमी निरंतर नए में जीने लगे, उस जीवन की खुशी का हिसाब आप लगा सकते हैं? अगर एक दिन को नया करने की तरकीब पता चल जाए, तो हम हर दिन को नया क्यों नहीं कर सकते? एक फकीर के पास कोई आदमी गया था और उसने उससे पूछा कि मैं कितनी देर के लिए शांत होने का अभ्यास करूं?

उस फकीर ने कहा, एक क्षण के लिए शांत हो जाओ। बाकी की तुम फिकर मत करो।

उस आदमी ने कहा, एक क्षण में क्या होगा?

उस फकीर ने कहा, जो एक क्षण में शांत होने की तरकीब जान लेता है, वह पूरी जिंदगी शांत रह सकता है, क्योंकि एक क्षण से ज्यादा किसी आदमी के हाथ में दो क्षण कभी होते ही नहीं। एक क्षण ही हाथ में आता है, जब आता है। अगर एक क्षण को मैं जादू कर सकूं और नया कर सकूं, और शांत कर सकूं, और आनंद से भर सकूं, तो मेरी पूरी जिंदगी आनंदित हो जाएगी, क्योंकि एक ही क्षण मेरे हाथ में आने वाला है सदा। और उतनी तरकीब मैं जानता हूं कि एक क्षण को मैं कैसे नया कर लूं।

एक क्षण को नया करना जो जान ले, उसकी पूरी जिंदगी नई हो जाती है। लेकिन हम क्षण को पुराना करना जानते हैं, नया करना जानते नहीं। और जिंदगी वैसी ही हो जाती है, जैसा हम कर लेते हैं। पुराना करने की तरकीबें हमें पता हैं। हम प्रत्येक चीज में पुराने को खोजने के इतने आतुर होते हैं, जिसका हिसाब नहीं।

क्या तरकीब हो सकती है नए की?

पहली तो बात यह है कि प्रतिपल नए की खोज की हमारी दृष्टि होनी चाहिए कि क्या नया है? और अगर हमारे मन में यह प्रश्न हो, तो ऐसा कोई भी क्षण नहीं है, जिसमें कुछ नया न आ रहा हो। सुबह सूरज को उठ कर देखें, जो सूर्योदय आज हुआ है, वह कभी भी नहीं हुआ था। सूर्योदय रोज हुआ है, लेकिन जो आज हुआ है, वह कभी भी नहीं हुआ था।

लेकिन हो सकता है आप कह दें- सूर्योदय रोज होता है, नया क्या है? लेकिन यह सूर्योदय जो आज हुआ है, यह न कभी हुआ था, न कभी होगा। न ऐसे बादलों के रंग कभी पहले हुए थे, न आगे कभी होंगे। न सूरज जैसा आज की सुबह उगा है, ऐसा कभी उगा था, न उग सकता है। नए को खोजें, थोड़ा देखें कि यह सूरज कभी उगा था? और आप चकित खड़े रह जाएंगे कि आप इस भ्रम में ही जी रहे थे कि रोज वही सूरज उगता है। वही सूरज रोज नहीं उगता।

अगर कल मुझसे प्रेम मिला था तो जरूरी नहीं कि आज भी मिले। आज को खुला छोड दें, जो मिलेगा उसे देखें। यह आकांक्षा न करें कि जो कल मिला था, वह आज भी मिलना ही चाहिए। जहां ऐसी आकांक्षा आई कि हमने चीजों को पुराना करना शुरू कर दिया। जिंदगी को एक थ्रिल, एक पुलक में जीने दें, एक अनिश्चय में रहने दें। क्या होगा, कहा नहीं जा सकता। आज प्रेम मिलेगा, नहीं मिलेगा, कुछ भी नहीं कहा जा सकता। इस असुरक्षा को स्वीकार कर लें।

लेकिन हम सुरक्षित होने की इतनी व्यवस्था करते हैं, इसलिए हमारा सारा जीवन बासी और पुराना हो गया है। जिंदगी में नए का स्वागत नहीं है हमारा। नए का स्वागत करें, नए का सम्मान करें और नए को खोजें-कि नया क्या है? खोज पर बहुत कुछ निर्भर करता है कि हम क्या खोजने जाते हैं, वही खोज लेंगे। अगर एक आदमी गुलाब के पास कांटों को खोजने जाएगा तो कांटे खोज लेगा, कांटे वहां हैं। और अगर एक आदमी फूल खोजने जाएगा तो यह भी हो सकता है कि कांटों का उसे पता ही न चले, वह फूल खोज ले। फूल भी वहां हैं। और जिस व्यक्ति को नए से सम्बंध जोड़ना हो, उसे उगते फूलों को देखना चाहिए। उसे कांटे गिनना छोड़ देना चाहिए। उसे नए का स्वागत और सम्मान, नए की अपेक्षा में जीना चाहिए। उसे अनजान और अज्ञात के अपने भीतर प्रवेश के लिए खुला द्वार रखना चाहिए। तब प्रतिदिन नया है, प्रत्येक सम्बंध नया है, प्रत्येक मित्र नया है, पत्नी नई है, पति नया है, बेटा नया है, बेटी नई है, तब सारी जिंदगी नई है।

मैं आपसे यह कह रहा हूं कि तीन सौ पैंसठ दिन ही नए हो सकते हैं। प्रतिपल नया हो सकता है। जो व्यक्ति एक बार नए के लिए अपने मन के द्वार को खोल लेता है, आज नहीं, कल वह पाता है कि नए के पीछे परमात्मा प्रवेश कर गया। क्योंकि परमात्मा अगर कुछ है, तो जो निरंतर नया है,उसी का नाम है।

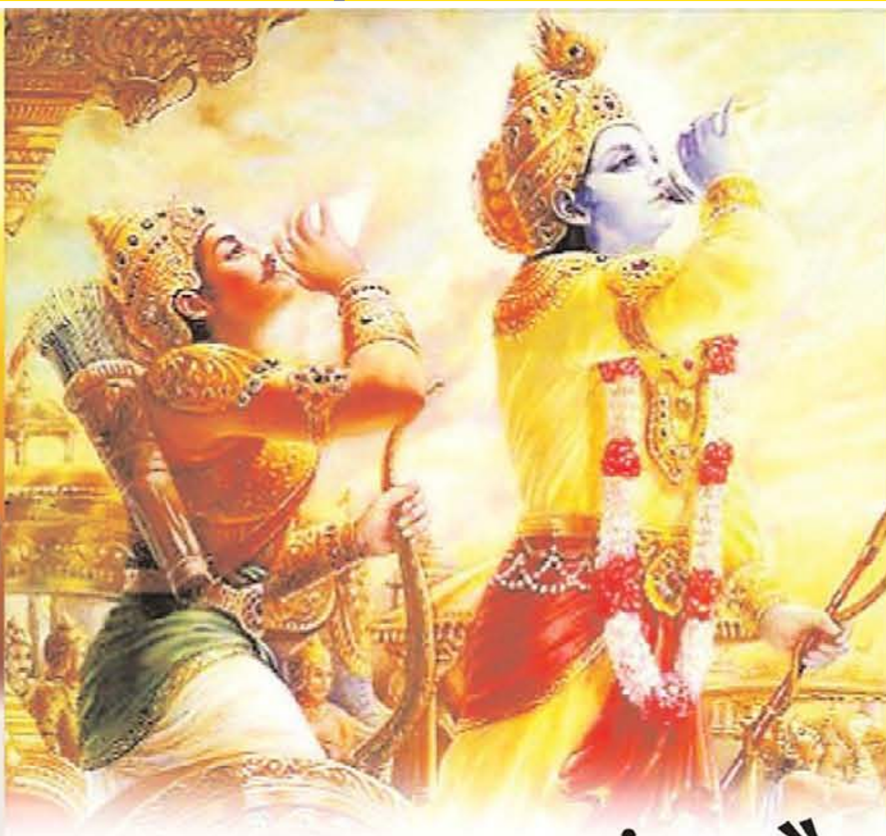

गीता कहती है कि जीवन रोने के लिए नहीं, भाग जाने के लिए नहीं है, हंसने और खेलने के लिए हैं। यह हमें संकटों से, हिम्मत से लड़ने की प्रेरणा देती है। गीता मानव मात्र को जीवन में प्रतिक्षण आने वाले छोटे-बड़े संग्रामों के सामने हिम्मत से खड़े रहने की शक्ति देती है। श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान का अद्भुत भंडार है। हम हर काम में तुरंत नतीजा चाहते हैं लेकिन भगवान ने कहा है कि धैर्य के बिना अज्ञान, दुख, मोह, क्रोध, काम और लोभ से निवृत्ति नहीं मिलेगी। आइए जानें खास बातें.

ज्ञान का अद्भुत भंडार है श्रीमद्भगवद्गीता

- श्रीमद्भगवद्गीता एक दिव्य ग्रंथ है। गीता मरना सिखाती है, जीवन को तो धन्य बनाती ही है। यह हमें पलायन से पुरुषार्थ की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देती है।
- श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दुओं के पवित्रतम ग्रंथों में से एक है।
- गीता जयंती मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी को मनाई जाती है।
- गीता केवल धर्म ग्रंथ ही नहीं यह एक अनुपम जीवन ग्रंथ है। जीवन उत्थान के लिए इसका स्वाध्याय हर व्यक्ति को करना चाहिए।
- श्रीमद्भगवद्गीता की पृष्ठभूमि महाभारत का युद्ध है।
- श्रीमद्भगवद्गीता के 18 अध्याय हैं और महाभारत का युद्ध भी 18 दिन ही चला था।
- अर्जुन को भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था।
- गीता में कर्तव्य को ही धर्म कहा है। भगवान कहते हैं कि अपने कर्तव्य को पूरा करने में कभी भी लाभ-हानि का विचार नहीं करना चाहिए।
- गीता के 700 श्लोकों में हर उस समस्या का समाधान है, जो हर इंसान के सामने कभी न कभी आती हैं।
- गीता एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसकी जयंती मनाई जाती है।

भगवान ने अर्जुन को निमित्त बनाकर, गीता के ज्ञान द्वारा विश्व के मानव को पुरुषार्थ करने की प्रेरणा दी है।

धन-संपदा में वृद्धि के लिए अजमा कर देखें फेंगशुई के ये अचूक उपाय

घर में शांति-समृद्धि के लिए लोग कई तरह के उपाय करते हैं। लेकिन कई बार इससे भी सफलता नहीं मिलती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फेंगशुई टिप्स के जरिए आप जीवन में सुख और शांति ला सकते हैं। फेंगशुई शास्त्र चीनी शास्त्र को कहते हैं। यह ठीक वास्तु शास्त्र की तरह ही होता है। जिसके जरिए आप घर के वास्तु दोष को खत्म कर घर में पॉजिटिव एनर्जी ला सकते हैं। जानिए फेंगशुई टिप्स जिनसे घर में आती है सकारात्मक ऊर्जा और सौभाग्य में होती है वृद्धि

- फेंगशुई के अनुसार, सौभाग्य की प्राप्ति के लिए घर के फिट पॉट में 8 गोल्डन फिश और काले रंग की मछली रखनी चाहिए। हालांकि हमेशा अक्वेरियम को ड्रॉइंग रूम में ही रखना चाहिए।
- चीनी शास्त्र फेंगशुई में ड्रैगन को समृद्धि का कारक बताया गया है। कहते हैं कि घर की पूर्व दिशा में ड्रैगन को रखने से तरक्की के साथ धन की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि ड्रैगन से निगेटिविटी खत्म होती है।
- फेंगशुई के अनुसार, घर में कछुआ रखने से कामयाबी और खुशहाली आती है। कहते हैं कि कछुआ घर या ऑफिस की उत्तर दिशा में रख सकते हैं। फेंगशुई शास्त्र के अनुसार, कछुआ लोहे के अलावा अन्य किसी धातु का बना होना चाहिए।
- लॉफिंग बुद्धा को आर्थिक सफलता का प्रतीक माना जाता है। फेंगशुई शास्त्र के अनुसार, घर या ऑफिस की उत्तर दिशा में लॉफिंग बुद्धा रखने से आर्थिक स्थिति बेहतर हो जाती है।
- फेंगशुई शास्त्र में तीन टांग वाला मेंढक बेहद शुभ माना गया है। कहते हैं कि घर या ऑफिस के उत्तर या मुख्य द्वार में लगाने से धन और संपदा की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही तरक्की के रास्ते खुल जाते हैं।

14 जनवरी से इन राशियों को मिलेगा भाग्य का साथ

वैदिक ज्योतिष में सूर्य राशि परिवर्तन का विशेष महत्व है। सूर्य राशि परिवर्तन का सीधा प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है। साल 2022 में 14 जनवरी को सूर्य मकर राशि में गोचर करेंगे। इसलिए इस दिन मकर संक्रांति मनाई जाएगी। सूर्य को गौरव, यश और पराक्रम का कारक माना जाता है। मकर राशि में सूर्य से पहले शनि और बुध विराजमान हैं। ऐसे में तीन ग्रहों की युति से त्रिग्रही योग बन रहा है। सूर्य के मकर राशि में गोचर करने से कई राशि वालों को सुखद परिणाम मिलेंगे। जानिए इन राशियों के बारे में-

सिंह- सिंह सूर्य की स्वराशि है। इसलिए सूर्य गोचर से आपको अनुकूल परिस्थितियां बनती मिलेंगी। इस दौरान आपको नौकरी में तरक्की मिल सकती है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। सूर्य गोचर में आपकी कोई इच्छा पूरी हो सकती है।

कन्या- कन्या राशि वालों के लिए सूर्य गोचर करियर व व्यापार के लिए लाभकारी साबित होगा। इस दौरान आय में वृद्धि के योग बनेंगे। सूर्य गोचर काल में कार्यस्थल पर कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। इस दौरान निवेश करना लाभकारी रहेगा, निवेश का फायदा भविष्य में मिलेगा।

मीन- मीन राशि वालों को सूर्य गोचर के दौरान कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि ये समय के साथ हल होती जाएंगी। इस दौरान जीवनसाथी के साथ अनबन हो सकती है। ऐसे में वाणी पर काबू रखें।

वृश्चिक- वृश्चिक राशि वालों की नौकरी में परिवर्तन संभव है। इस राशि के स्वामी मंगल ग्रह हैं। मंगल और सूर्य के बीच मित्रता का भाव है। इसलिए सूर्य गोचर काल में आपको मनवांछित फल मिल सकते हैं।

खरमास में करें सूर्य देव की उपासना

क्यों खरमास में मंगल कार्यों (शादी-विवाह, मुंडन, जनेऊ संस्कार, नूतन गृह प्रवेश इत्यादि) को करना उत्तम नहीं बताया गया है। गुरु का ध्यान सूर्य देव पर रहता है। खरमास में धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, किंतु मंगल शहनाई नहीं बजती। खरमास 15 जनवरी की रात तक रहेगा। काशी पंचांग के अनुसार सूर्य जब गुरु की राशि धनु या मीन में विराजमान रहते हैं, तो उस घड़ी को खरमास माना जाता है और खरमास में मांगलिक कार्य वर्जित माने गए हैं। खरमास की इस अवधि में जनेऊ संस्कार, मुंडन संस्कार, नव गृह प्रवेश, विवाह आदि नहीं करना चाहिए। इसे शुभ नहीं माना गया है, वहीं विवाह आदि शुभ संस्कारों में गुरु एवं शुक्र की उपस्थिति आवश्यक बताई गई है। ये सुख और समृद्धि के कारक माने गए हैं। खरमास में धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, किंतु मंगल शहनाई नहीं बजती। इस माह में सभी राशि वालों को सूर्य देव की उपासना अवश्य करनी चाहिए।

गुरु का ध्यान सूर्य देव पर

इसका एक धार्मिक पक्ष यह भी माना जाता है कि सूर्य देव जब बृहस्पति के घर में प्रवेश करते हैं, तो देव गुरु का ध्यान एवं संपूर्ण समर्पण उन पर ही केंद्रित हो जाता है। इससे मांगलिक कार्यों पर उनका प्रभाव सूक्ष्म ही रह जाता है जिससे कि इस दौरान शुभ कार्यों का विशेष लाभ नहीं होता इसलिए भी खरमास में मंगल कार्यों को करना उत्तम नहीं बताया गया है।

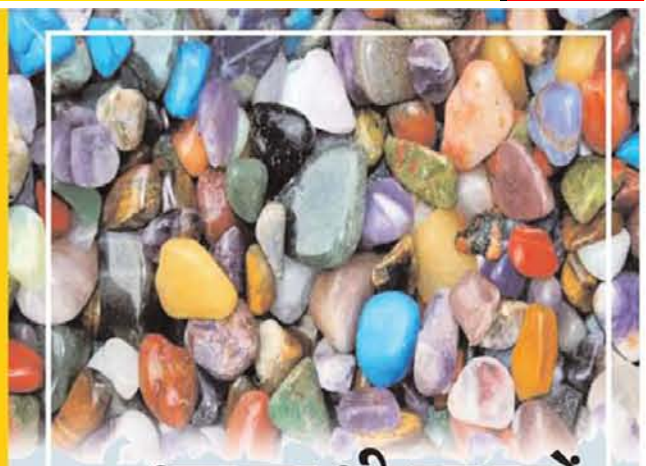

भूलकर भी इन रत्नों को एक साथ न पहने, कम होने की जगह बढ़ जाएंगी परेशानियां

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार रत्न धारण करने से ग्रहों का अशुभ प्रभाव कम होता है। हर ग्रह के अलग रत्न होते हैं। जातक की कुंडली पर विचार कर रत्न धारण किए जाते हैं। कुछ रत्न ऐसे भी होते हैं, जिन्हें एक साथ नहीं पहनना चाहिए। इन रत्नों को एक साथ पहनने से परेशानियां कम होने की जगह बढ़ सकती हैं। अगर कुछ रत्नों को साथ में पहन लिया तो व्यक्ति को जीवन में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं किन रत्नों को साथ नहीं पहनना चाहिए।

मोती के साथ हीरा, पन्ना, गोमेद लहसुनिया और नीलम न पहने

अगर किसी व्यक्ति ने मोती पहन रखा है तो उस व्यक्ति को हीरा, पन्ना, गोमेद, लहसुनिया और नीलम धारण नहीं करना चाहिए। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार चंद्रमा के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए मोती धारण किया जाता है। मोती के साथ हीरा, पन्ना, गोमेद, लहसुनिया और नीलम पहनने से मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है।

पन्ना के साथ पुखराज मूंगा और मोती न पहने

अगर किसी व्यक्ति ने पन्ना धारण कर रखा है तो उस व्यक्ति को पुखराज, मूंगा और मोती नहीं पहनना चाहिए। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार पन्ना बुध ग्रह का रत्न होता है। इसे पहनने से बुध का अशुभ प्रभाव कम होता है। पन्ना के साथ पुखराज, मूंगा और मोती धारण करने से धन- हानि हो सकती है।

लहसुनिया के साथ माणिक्य, मूंगा, पुखराज और मोती न पहने

अगर किसी व्यक्ति ने लहसुनिया धारण कर रखा है तो उस व्यक्ति को माणिक्य, मूंगा, पुखराज और मोती नहीं पहनना चाहिए। लहसुनिया के साथ माणिक्य, मूंगा, पुखराज और मोती धारण करने से जीवन में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

नीलम के साथ माणिक्य, मूंगा मोती और पुखराज न पहने

नीलम शनि ग्रह का रत्न है। अगर किसी व्यक्ति ने नीलम धारण कर रखा है तो उसे माणिक्य, मूंगा, मोती और पुखराज नहीं पहनना चाहिए। ऐसा करने से विपरित प्रभाव पड़ सकता है।

राशिनुसार इन रत्नों को धारण करने से कम होता है ग्रहों का अशुभ प्रभाव

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार ग्रहों के अशुभ प्रभावों की वजह से व्यक्ति का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो जाता है। ग्रहों के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ज्योतिष में 12 राशियां होती हैं और हर राशि का कोई न कोई ग्रह स्वामी होता है। स्वामी ग्रह का राशि पर पूरा प्रभाव रहता है। आज इस लेख के माध्यम से हम आपको बताएंगे राशिनुसार किस रत्न को धारण करना चाहिए।

मेष राशि - मेष राशि के स्वामी मंगल देव हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार इस राशि के जातकों को मूंगा धारण करना चाहिए।

वृष राशि - वृष राशि के स्वामी शुक्र देव हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार इस राशि के जातकों को हीरा, ओपल या जरकन धारण करना चाहिए।

मिथुन राशि - मिथुन राशि के स्वामी बुद्ध देव हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार इस राशि के जातकों को पन्ना धारण करना चाहिए।

कर्क राशि - कर्क राशि के स्वामी चन्द्रमा हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार इस राशि के जातकों को मोती धारण करना चाहिए।

सिंह राशि - सिंह राशि के स्वामी सूर्य देव हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार इस राशि के जातकों को माणिक धारण करना चाहिए।

कन्या राशि - कन्या राशि के स्वामी बुद्ध देव हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार इस राशि के जातकों को पन्ना धारण करना चाहिए।

तुला राशि - तुला राशि के स्वामी शुक्र देव हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार इस राशि के जातकों को हीरा, ओपल या जरकन धारण करना चाहिए।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल देव हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार इस राशि के जातकों को मूंगा धारण करना चाहिए।

धनु राशि - धनु राशि के स्वामी देवगुरु बृहस्पति हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार इस राशि के जातकों को पुखराज धारण करना चाहिए।

मकर राशि - मकर राशि के स्वामी शनि देव हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार इस राशि के जातकों को नीलम धारण करना चाहिए।

कुंभ राशि - कुंभ राशि के स्वामी शनि देव हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार इस राशि के जातकों को नीलम धारण करना चाहिए।

मीन राशि - मीन राशि के स्वामी देव गुरु देवगुरु बृहस्पति हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार इस राशि के जातकों को पुखराज धारण करना चाहिए।

वर्ष 2024 की पहली हिन्दी 100 करोड़ी फिल्म बनी फाइटर

निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने एक बार फिर से वर्ष की पहली हिट फिल्म बॉलीवुड को देने में सफलता प्राप्त कर ली है। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण के साथ उनकी फिल्म फाइटर इन दिनों थिएटर्स में धमाल मचा रही है। इंडिया की पहली एरियल एक्शन फिल्म कही जा रही फाइटर, जनता को बहुत प्रभावित कर रही है और इसका कमाल फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर भी नजर आ रहा है। गुरुवार को थिएटर्स में रिलीज हुई फाइटर ने शुरुआत तो उम्मीद से बहुत धीमी की थी, मगर फिल्म को मिले सॉलिड रिव्यूज और जनता का पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ पहले दिन से ही इसकी कमाई पर असर दिखाने लगे। शुक्रवार को गणतंत्र दिवस की छुट्टी वाले दिन फाइटर ने करीब 70% का जंप लिया। ऐसे बड़े जंप के बाद फिल्म ने शनिवार और रविवार को भी रफ्तार बनाए रखी और सॉलिड वीकेंड कलेक्शन किया।

पहले वीकेंड में 100 करोड़ पार पहुंची फाइटर

गुरुवार को 25 करोड़ रुपये से कम ओपनिंग करने वाली फाइटर ने शनिवार को 41.20 करोड़ का कलेक्शन किया। गणतंत्र दिवस के हॉलिडे ने फिल्म को बहुत मदद पहुंचाई। इतने बड़े दिन के बाद शनिवार को फिल्म ने 27.60 करोड़ कमाए और सॉलिड बनी रही। अब रविवार की ट्रेड रिपोर्ट्स कहती हैं कि फाइटर ने चौथे दिन 28 से 29 करोड़ रुपये के बीच कलेक्शन किया है। फाइनल आंकड़ों में कमाई, इस अनुमान से थोड़ी बहुत ज्यादा भी हो सकती है। यानी अब तक चार दिनों में फाइटर का नेट कलेक्शन 120 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है।

किरदार करते-करते बढ़ती है अभिनेता की समझ

काल्पनिक किरदार हो या किसी की बायोपिक में उसे पर्दे पर जीवित करना हो, पंकज त्रिपाठी हमेशा उसकी चेतना और व्यक्तित्व को पकड़ने की कोशिश करते हैं। हाल ही में अभिनेता ने अटल बिहारी वाजपेयी की बायोपिक की, जिसमें उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के विचारों को पकड़ा। पंकज त्रिपाठी कहते हैं कि जो अटल है, अजर है, अमर है अगर उसी को पकड़ा जाए तो बेहतर है। एक कलाकार के रूप में कई तरह के किरदार करके अपनी समझ बढ़ाने वाले पंकज अध्यात्म की डोज के जरिए मन, दिमाग और विचारों की देखभाल करते हैं। अच्छी और सुकून भरी नींद के लिए दिमाग को थकाने वाले 'कड़क सिंह' से हमने उनकी जिंदगी, अध्यात्म, हालिया फिल्म से जुड़े कई सवाल किए, जिसके उन्होंने जवाब दिए।

किरदार करते-करते बढ़ती है अभिनेता की समझ

कुछ फिल्मों ने मुझ पर प्रभाव छोड़ा लेकिन सब नहीं छोड़ती हैं। 'ओह माय गॉड-2' ने मुझे बदला। अटलजी के व्यक्तित्व ने बदला। 'कड़क सिंह' ने भी मुझमें थोड़ी सी समझ बढ़ाई। किरदार करते-करते अभिनेता की समझ बढ़ती है। मैं अपना जीवन जी रहा होता हूं। ये किरदार मुझे मौका देते हैं कि तुम 10 जीवन और जी लो, उनका दुख समझ लो, उनकी सोच समझ लो, उनकी वेदना, करुणा, दया, संवेदना, गुस्सा, लोभ, प्रेम, ईर्ष्या समझ लो। मैं अपने साथ-साथ 10 और जीवनों का अनुभव पा रहा हूं। इससे मेरा जीवन तो शत-प्रतिशत बेहतर होगा ही।

दाएं हाथ से दान करें और बाएं हाथ को पता भी ना चले

हर इंसान की चुनौतियां अकेले की होती हैं। मैं अपने साक्षात्कारों में हौसले और धैर्य की हमेशा बातें करता हूं। मैं ये सब कहकर किसी की मदद ही कर रहा होता हूं। मैं अपने संघर्ष की कहानियों को कभी पीड़ा या सहानुभूति पाने के लिए नहीं सुनाता। मैं उस वक्त किसी एक को नहीं बल्कि हरेक को हौसला दे रहा होता हूं, जो निराश होते हैं। मैं उन्हें समझाता हूं कि असंभव कुछ नहीं। इसके अलावा, मैं यह भी कहता हूं कि खुद का मूल्यांकन करो। आप उस पेशे के काबिल हो या नहीं, इसे आपको खुद जानना होगा। फिर चाहे वो कोई भी क्षेत्र हो। निजी तौर पर मेरे साथ जो को-ऐक्टर काम करने आते हैं, मैं उनकी मदद करता हूं। वह अगर पहली बार कैमरे का सामना कर रहा है और वो छोटा रोल है तो भी मैं उसे सहज फील करवाता हूं।

'तुम मुझे नापसंद करते हो इसलिए मैं तुम्हें पसंद करता हूं'

पंकज त्रिपाठी बताते हैं कि फिल्म मैं अटल हूं में मैंने अटल जी की चेतना को पकड़ने की कोशिश की है। कहते हैं कि व्यक्ति समाप्त हो जाता है, लेकिन उसकी चेतना समाप्त नहीं होती। कृतित्व, व्यक्तित्व और विचार समाप्त नहीं होते। जो अटल है, अजर है और अमर है, अगर उसी को पकड़ा जाए तो बेहतर है। आप कह सकते हैं कि उनकी कविताओं की प्रेरणा से ही मैं अभिनेता बन गया हूं। मैं अभिनेता बनना चाहता था और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आता था। अटल जी की कविता 'हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा...' मुझे हमेशा प्रेरणा देती थी। मैं इस कविता पर अटल रहा और बन गया अभिनेता। रही बात अटलजी के किरदार से सीखने की तो वह मेरे अचेतन और अवचेतन मन में रहे हैं। इससे मुझमें बदलाव हुआ है। मैं सौम्य पहले भी था, लेकिन अब और ज्यादा सौम्य और लोकतांत्रित हो गया हूं। आप इसे इस एक लाइन से समझ लेंगे, 'तुम मुझे नापसंद करते हो, इसलिए मैं तुम्हें पसंद करता हूं।'

रवीना टंडन ने वेब सीरीज कर्मा कॉलिंग की सफलता का मनाया जश्न

अभिनेत्री रवीना टंडन इन दिनों अपनी वेब सीरीज कर्मा कॉलिंग की सफलता का जश्न मना रही। दर्शकों के साथ समीक्षकों ने भी इस वेब शो को खूब सराहा है। डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई कर्मा कॉलिंग में रवीना टंडन ने इंद्राणी कोठारी का किरदार निभाया है। सोमवार को इस सीरीज की पूरी स्टार कास्ट इसकी सफलता का जश्न मनाती नजर आई। टीजर रिलीज के बाद से ही कर्मा कॉलिंग चर्चा में बनी हुई थी। ट्रेलर सामने आने के बाद इस सीरीज को लेकर दर्शकों में खूब उत्साह देखने को मिला। इस सीरीज के एक-एक अपडेट पर फैंस की भारी प्रतिक्रिया भी देखने को मिली। 26 जनवरी 2024 को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर इसकी स्ट्रीमिंग शुरू हुई, जिसके बाद से इसे खूब पसंद किया जा रहा है। रवीना के अलावा इस सीरीज में नम्रता शेठ, विराफ पटेल, वरुण सूद, रचित सिंह, देवांशी सेन और गौरव शर्मा जैसे कालाकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

14 साल बाद काजोल संग काम कर सकते हैं करण

फिल्ममेकर करण जौहर ने अपनी नई फिल्म अनाउंस कर दी है। हालांकि, करण ने इस बारे में खुलकर कोई डिटेल नहीं दी पर रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म में काजोल, साउथ के सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान को कास्ट किया गया है। इस फिल्म की जानकारी देते हुए करण ने एक सोशल मीडिया पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'यह एक फिल्म अनाउंसमेंट नहीं है.. पर यह हो सकती है...आपकी मदद से। हम बीते एक साल से इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं पर हमने इसे छुपा कर रखा है, इसकी डिटेल्स किसी से शेयर नहीं की। यहां तक कि इस फिल्म के क्रू मेंबर्स को भी इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं पता और यह डिसीजन एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर ने लिया है।

यूजर्स ने लगाए दोस्ताना-2 के गेस

करण के इस पोस्ट पर सोशल मीडिया यूजर्स कई तरह के गेस लगा रहे हैं। कुछ का मानना है कि करण 'दोस्ताना 2' की अनाउंसमेंट करने वाले हैं तो वहीं कुछ इसे प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन के प्रोजेक्ट के से जोड़ रहे हैं।

14 साल बाद साथ काम करेंगे करण-काजोल

हालांकि, रिपोर्ट्स की मानें तो करण इस पोस्ट में फिल्म 'सरजमीं' की बात कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए करण 14 साल बाद काजोल के साथ काम करेंगे। दोनों ने आखिरी बार 2010 में रिलीज हुई फिल्म 'माय नेम इज खान' में साथ काम किया था। हालांकि, इसके बाद काजोल 2012 में रिलीज हुई करण की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के एक गाने में भी नजर आई थीं।

सैफ के बेटे इब्राहिम करेंगे एक्टिंग डेब्यू

वहीं सुनने में आया है कि इस फिल्म से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान अपना एक्टिंग डेब्यू और बोमन ईरानी के बेटे कायोज ईरानी भी अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू कर सकते हैं। साथ ही करण पहली बार साउथ सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ भी काम करते नजर आ सकते हैं। पृथ्वीराज ने हाल ही में पैन इंडिया 'सालार' जैसी हिट फिल्म दी है। करण की पिछली फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' सुपरहिट रही थी। हाल ही में हुए 69वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में आलिया भट्ट को इसी फिल्म के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला है।

बॉलीवुड के रेड कार्पेट लुक्स पर सोनम का बड़ा बयान

सोनम कपूर अपनी फिल्मों के साथ साथ अपने स्टाइल और अलग अंदाज के लिए मशहूर हैं। दर्शकों को जितना उनकी फिल्मों का इंतजार रहता है, उतनी ही उत्सुकता उन्हें सोनम कपूर के रेड कार्पेट लुक्स को भी लेकर रहता है। सोनम को बॉलीवुड में स्टाइल आइकॉन के नाम से भी जाना जाता है। पिछले दिनों अभिनेत्री ने फैशन और अपने रेड कार्पेट लुक्स के बारे कई खुलासे किए।

बॉलीवुड में रेड कार्पेट लुक की शुरुआत

सोनम कपूर भारतीय प्रोडक्ट्स के अलावा दुनिया के कई बड़े ग्लोबल ब्रांड्स के लिए भी काम करती हैं। अवार्ड फक्शंस में वो किस अंदाज में दिखेंगी, दर्शकों के लिए ये हमेशा उत्सुकता जगाने वाला होता है। सोनम अपने रेड कार्पेट लुक्स के बारे में बात करते हुए कहती हैं, मैंने जब अपने करियर की शुरुआत की तब मुझे आइडिया नहीं था कि लोग मेरे लुक्स को नोटिस करेंगे। मैं अपने हिसाब से अवॉर्ड फक्शंस के लिए तैयार होकर आती थी। मुझ से पहले बॉलीवुड में रेड कार्पेट लुक्स ट्रेंड में भी नहीं था। इन पार्टियों के लिए मैं बस अलग से तैयार होकर आती थी। मुझे इतना पता था कि मैं सबसे अलग हूं।

बॉलीवुड में शाहरुख खान के साथ काम करने की योजना बना रहे हैं यश!

साउथ सुपरस्टार यश केजीएफ और केजीएफ 2 से अपनी नई पहचान बनाई। अब वे अपनी आने वाली फिल्म टॉक्सिक की तैयारी में व्यस्त हैं। वहीं अब यश ने कथित तौर पर शाहरुख खान के साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की है और सितारों ने कथित तौर पर इसकी संभावना पर भी चर्चा की है। यश अपने काम को बॉलीवुड तक बढ़ा रहे हैं। कथित तौर पर अभिनेता ने नीतीश तिवारी की रामायण साइन की है। दावा किया गया है कि वह अपनी दूसरी बॉलीवुड फिल्म भी साइन करने की तैयारी में हैं। इन अफवाहों के बीच अब दावा किया गया है कि यश और शाहरुख एक फिल्म के लिए समझौता कर सकते हैं, लेकिन केवल एक चीज जो उन्हें रोक रही है, वह है एक आदर्श स्क्रिप्ट। रिपोर्ट्स के अनुसार, यश और शाहरुख खान के साथ काम करने को लेकर बातचीत हुई है और यह एक ऐसा विचार है, जिसने दोनों अभिनेताओं को बेहद उत्साहित किया है। हालांकि, उन्हें एक साथ सहयोग करने के लिए सही परिजोजना की आवश्यकता है, क्योंकि यह बहुत सारी उम्मीदों के साथ आएगा।

श्रीराम राघवन ने इक्कीस को लेकर किए कई दिलचस्प खुलासे

बॉलीवुड इंडस्ट्री के मशहूर निर्माता श्रीराम राघवन बैक टू बैक फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। निर्माता की हाल ही में फिल्म मेरी क्रिसमस रिलीज हुई, जिसे दर्शकों से खूब सरहाना मिली।

इस फिल्म में पहली बार कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति लीड रोल में एक साथ नजर आए। वहीं, अब राघवन सबसे कम उम्र में परमवीर चक्र से सम्मानित लेफ्टिनेंट अरुण खेतरपाल की बायोपिक बनाने जा रहे हैं, जिसका शीर्षक इक्कीस है। निर्माता ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान अपनी आगामी फिल्म इक्कीस से जुड़े कई दिलचस्प खुलासे किए।

यह एक बड़ी प्रोडक्शन फिल्म होगी

श्रीराम राघवन ने खुलासा किया कि उनकी आने वाली फिल्म इक्कीस एक बड़ा प्रोडक्शन है। निर्माता ने कहा, यह एक बड़ा प्रोडक्शन है, इसमें टैंक युद्ध और वे सभी चीजें होंगी, जो एक युद्ध के इर्द-गिर्द घूम रही कहानी पर बनी फिल्म में होती हैं, लेकिन यह एक परमवीर चक्र से सम्मानित सेना नायक के जीवन की कहानी भी है, जिसे बड़े पर्दे पर उतरा जाएगा।

उनके बलिदान को दिखाया जाएगा

उन्होंने आगे कहा, इक्कीस में किसी भी प्रकार से काल्पनिक कहानी पेश नहीं की जाएगी। इस फिल्म में अरुण खेतरपाल के बचपन की कहानी को नहीं दिखाया जाएगा। इक्कीस की कहानी उस युवा अधिकारी पर केंद्रित होगी, जिसने 21 साल की उम्र के तुरंत बाद अपने जीवन का बलिदान दिया था। इसमें उस घटना को दिखाया जाएगा, जो 30 साल बाद घटित होती है।

इस दिन से शुरू होगी शूटिंग

राघवन ने बताया कि इस फिल्म में अनुभवी अभिनेता धर्मेंद्र भी है, जो इस फिल्म में अरुण के पिता का किरदार निभा रहे हैं। अगस्त्य नंदा, जो अमिताभ बच्चन के पोते और श्वेता बच्चन नंदा बेटे हैं। वे इस फिल्म में खेत्रपाल का किरदार निभाने वाले हैं। अगस्त्य इस किरदार के लिए बिलकुल फिट हैं, क्योंकि अरुण खेत्रपाल लगभग छह फीट लंबे और अच्छे दिखने वाले लड़के थे। वे फिलहाल प्रशिक्षण ले रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि हम फरवरी में अगस्त्य के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। यह फिल्म दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स के जरिए निर्मित है।

जेवर एयरपोर्ट के आने से तेज हुआ विकास : डॉ. महेश शर्मा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर विधानसभा में ''सांसद आपके द्वार'' कार्यक्रमों के तहत गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डा. महेश शर्मा ने ग्राम डेरीन गुजरान, ढाकवाला मुहफाड, ननुआ का राजपुर, अमरपुर दनकौर, ऊँची दनकौर, नवादा, इमलियाका, अटाई, कासना नगर में ग्रामवासियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान सांसद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उप्र के मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ द्वारा चलाई जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी को मिल रहा है या नहीं इसके बारे में भी ग्रामीणों से पूछा।

कार्यक्रम के दौरान सांसद ने कहा कि जेवर विधानसभा के दनकौर मंडल में सांसद निधि से भी कई विकास कार्य जैसे इण्टरलॉकिन्ग व नाली इत्यादि कई कार्य कराये गये है तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत भी क्षेत्र का विकास हुआ है। जेवर विधानसभा में नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट की नींव प्रधानमंत्री द्वारा रखी गई थी जब मैं नागरिक उड्डयन मंत्रालय में था तभी यह कार्य संभव हो पाया और जेवर में एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर में बन रहा है जल्द ही इसका शुभारंभ भी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के आने से क्षेत्र का विकास बहुत तेजी से बढ़ा है और युवाओं को रोजगार के भी नये अवसर मिलेंगे। सांसद ने ग्रामीणों से अपील की कि वह तीसरी बार केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनवाएं।

कार्यक्रम के दौरान सांसद प्रतिनिधि सोनू वर्मा, पंकज कौषिक, मण्डल अध्यक्ष हरिदत्त शर्मा, ओमकार भाटी, अखिलेश नागर, राहुल पंडित, मुनेन्द्र नागर, हरेन्द्र शर्मा, फिरे नागर, फतह नागर, बलबीर प्रधान, शिवम शर्मा, सेवानंद शर्म, अतुल भाटी, सोनू बीडीसी, अजब सिंह मुखिया, अनिल तायल, ठाकुर राजेन्द्र सिंह आदि काफी संख्या में उपस्थित रहे।

नैचुरल स्टोन से बना राम मंदिर जिलाधिकारी को किया भेंट

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल और श्री श्याम सेवक परिवार की टीम ने गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष वर्मा को भगवान राम का नैचुरल स्टोन से बना मंदिर भेंट किया।

प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता की फ़ैक्ट्री में इस राम मंदिर का निर्माण किया गया है और प्रथम मंदिर को जिलाधिकारी को समर्पित कर अयोध्या में भगवान राम लला स्थापित होने की शुभकामनाएँ दी गई है।

प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता ने बताया कि श्री श्याम सेवक परिवार अगामी 15 फ़रवरी को भव्य पंचम फाल्गुन महोत्सव का आयोजन नोएडा में कर रहा है। जिससे विश्व विख्यात कलाकार शुभम रूपम और रजनी राजस्थान भजनों से बाबा को रिझाएगी। ग्रेटर नोएडा से सचिन गोयल ने कहा कि वेद रसिक भी अपनी सुरीली आवाज़ से बाबा का गुणगान करेंगे। जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने राम मंदिर को देखते ही कहा कि ऐसा सुंदर मंदिर देखकर दिल ख़ुश हो गया।

कलेक्ट्रेट में दी शहीदों को श्रद्धांजलि

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की याद में शहीद दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में शहीदों की स्मृति में 02 मिनट मौन रखकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

शहीद दिवस के अवसर पर डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की याद में 02 मिनट मौन रखकर समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। जिलाधिकारी ने बताया कि भारत में शहीद दिवस हर साल 30 जनवरी को स्वतंत्रता, गौरव, कल्याण और प्रगति के लिए लड़ने वाले बलिदानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है। शहीद दिवस पर श्रद्धांजलि देने के लिए अपर जिला अधिकारी प्रशासन डॉक्टर नितिन मदन, सिटी मजिस्ट्रेट धर्मेंद्र सिंह, डिप्टी कलेक्टर/सहायक अभिलेख अधिकारी भैरपाल सिंह एवं समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा में अवैध रूप से बने 9 मकान सील

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की जमीन कब्जा करके निर्माण कर लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। परियोजना विभाग की टीम ने बिसरख में अवैध रूप से बने चार घरों को सील कर दिया है। साथ ही डूब क्षेत्र में बने पांच घरों को भी सील किया गया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर प्राधिकरण की जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को बिसरख में बड़ी कार्रवाई की गई। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग ने बताया कि बिसरख गांव में खसरा नंबर-773 की करीब 3 हेक्टेयर जमीन ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अधिग्रहित कब्जा प्राप्त जमीन है। इस पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा करते हुए घर बना लिया था। परियोजना विभाग के वर्क सर्किल तीन के वरिष्ठ प्रबंधक मनोज सचान, प्रबंधक प्रशांत समाधिया व नीतीश कुमार और सहायक प्रबंधक गौरव बघेल की टीम ने स्थानीय सुरक्षा कर्मियों की मदद से खसरा नंबर 773 के चार घरों को सील कर दिया। इसके बाद प्राधिकरण की टीम हिंडन के डूब क्षेत्र में पहुंची। कालोनाइजर बिसरख के पास डूब क्षेत्र में खसरा नंबर 112 में भी कालोनी काट रहे थे। प्राधिकरण ने इस खसरा नंबर में अवैध रूप से बने 5 घरों को भी सील कर दिया है। एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग ने चेतावनी दी है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित अथवा अधिग्रहित/कब्जा प्राप्त जमीन पर अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ई-लॉटरी से दुकान का आवंटन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आबकारी विभाग की अवशेष दुकानों का ई लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया।

जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में जिन आबकारी दुकानों का आवंटन किया गया है, उसमें रसूलपुर देसी शराब, सिदीपुर बीयर की दुकान शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सिदीपुर बियर की दुकान के लिए 44 आवेदन, रसूलपुर देसी शराब की दुकान के लिए 06 आवेदन आवेदन प्राप्त हुए, इस प्रकार कुल 50 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 2 लोगों का ई-लाटरी के माध्यम से दुकान के लिए चयन किया गया। इस अवसर पर आबकारी विभाग द्वारा नामित अधिकारी अरविंद सिंह, पुलिस के अधिकारी गण, आबकारी विभाग के संबंधित अधिकारी एवं आवेदनकर्ता उपस्थित रहे।

गांधी जी के आदर्शों से मजबूत होगी एकता : तंवर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा महानगर कांग्रेस अध्यक्ष रामकुमार तंवर के नेतृत्व में 76वें बलिदान दिवस के रूप में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनको पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

इस अवसर पर अध्यक्ष रामकुमार तंवर कहा कि हमें महात्मा गांधी के बताए रास्ते पर चलने की अवश्यकता है। हमें गांधी जी द्वारा दिए गए उन सिद्धांतों को आगे बढ़ाना है जिससे हमारे देश की अखंडता और एकता मज़बूत हो सके। हमें आपसी भाई चारे से देश में बढ़ रहे तनाव के माहौल को ख़त्म करना है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से ओबीसी प्रदेश उपाध्यक्ष फिरे सिंह नागर, ओबीसी प्रदेश महासचिव उर्मिला चौधरी, पीसीसी सदस्य रिज़वान चौधरी, कोषाध्यक्ष रामकुमार शर्मा, महासचिव आरके प्रथम, उपाध्यक्ष हरेंद्र शर्मा, महासचिव सोनू खारी, महासचिव जितेंद्र चौधरी, अवनीश तंवर, शिव कुमार तंवर, राजेश शर्मा, विकास यादव, नरेश शर्मा, किशन पंडित, नीतेश तंवर, पंकज तंवर, सचिन तंवर, सनी तंवर आदि कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऑपरेशन क्लीन : जहर खुरानी गिरोह के बदमाशों से मुठभेड़

गाड़ियों का शीशा तोड़ने वाले बदमाश किए लंगड़े

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। चाय में नशीला पदार्थ पिलाकर लोगों के ई-रिक्शा चोरी करने की घटनाओं का अंजाम देने वाले जहर खुरानी गिरोह के दो सदस्यों को थाना बिसरख पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से दोनों बदमाश घायल हो गए। इनके पास से दो तमंचे, कारतूस व घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई है।

ग्रेटर नोएडा जोन के एडीसीपी हृदेश कठेरिया ने बताया कि थाना प्रभारी अरविंद कुमार पुलिस बल के साथ एटीएस गोल चक्कर पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने बाइक पर आ रहे दो युवकों को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार बाइक को मोड़कर हिंडन पुश्ते की भाग निकले। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने पीछा किया। इस दौरान तेज गति में होने के कारण बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई और दोनों युवक नीचे गिर गए। खुद को घिरा देखकर दोनों युवकों ने पुलिस पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी जिसके बाद पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों ने अपना नाम रियासत उर्फ भूरा पुत्र समीर बख्श व दानिश पुत्र मुशर्रफ बताया। इनके पास से एक-एक तमंचा व कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए बदमाशों ने बताया कि उन्होंने अगस्त माह वर्ष 2023 में गौर सिटी पार्क एवेन्यू, पुराना हैबतपुर, तिगड़ी गेट से ई रिक्शा चालकों को चाय में नशीला पदार्थ पिलाकर ई रिक्शा चोरी किया था। बदमाशों ने बताया कि वह ई रिक्शा चालकों को अपनी बातों के जाल में फंसा कर उनसे दोस्ती गांठ लेते थे। इसके बाद वह चाय वअन्य पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला देते थे। बेहोश होने के बाद वह उनके वाहनों को लेकर फरार हो जाते थे। एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए रियासत उर्फ भूरा पर जनपद गौतमबुद्धनगर, मेरठ, हापुड तथा दानिश पर 12,12 मुकदमे पंजीकृत हैं।

वहीं थाना बिसरख पुलिस ने गाड़ियों का शीशा तोड़कर सामान चोरी करने वाले गिरोह के दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। एडीसीपी हृदेश कठेरिया ने बताया कि थाना प्रभारी अरविंद कुमार पुलिस टीम के साथ एसकेएस वर्ड स्कूल तिराहे पर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान स्कूटी सवार दो युवकों को जांच के लिए रुकने का इशारा किया गया। पुलिस को देखकर स्कूटी सवार भाग लगे। पीछा करने पर दोनों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में स्कूटी सवारो को गोली लगी और वह गिर गए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। पकड़े गए बदमाशों ने अपना नाम रौनक पुत्र जगदीश व रोहन पुत्र शिव कुमार निवासी मदनगीर थाना अंबेडकर नगर दिल्ली बताया। पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अगस्त माह में हैबतपुर, सर्विस रोड ब्लू सफायर मॉल, गौर सिटी मॉल, पंचशील ग्रीन मार्केट, प्रथम एवेन्यू के गेट, आरोग्य अस्पताल तथा गौर सिटी सेंटर के पास गाड़ियों के शीशे तोड़कर लैपटॉप व मोबाइल फोन चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। पकड़े गए बदमाशों ने वाहनों के शीशे तोड़कर चोरी करने की दर्जनों घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के पास से बरामद स्कूटी भी चोरी की है। दोनों बदमाश चोरी की स्कूटी से रैकी करने के बाद वारदात को अंजाम देते थे। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया रौनक शातिर बदमाश है और इस पर 20 तथा रोहन पर 14 मुकदमे पंजीकृत हैं।